डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,गुरूवार 2 फरवरी,2023 वर्ष–07 / अंक–263 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

इस बजट से कितनी ताकतवर होगी मोदी सरकार, इसके सियासी मायने क्या जानें भाजपा को कितना फायदा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने 5वें और देश के 75वें बजट में कई बड़े एलान किए। गरीब से लेकर मध्यम वर्ग तक का इस बजट में खास ख्याल रखा गया। अपने एक घंटे 27 मिनट के भाषण में वित्त मंत्री ने पूरे देश को यह भरोसा दिलाने की कोशिश की है कि अब तक सबकुछ सही रहा और अब आने वाले दिनों में भी विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। उन्होंने यह भी बता दिया कि कोरोनाकाल और रूस–यूक्रेन युद्ध के चलते पूरी दुनिया में आर्थिक संकट की स्थिति है। इसके बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। भारत की विकास दर अन्य सभी देशों से अच्छी है और ये आगे भी कायम रहेगी। लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने अपने आखिरी पूर्ण बजट में हर वर्ग को साधने की कोशिश की है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इस बजट के मायने क्या हैं? इससे केंद्र सरकार की उम्मीदें कितनी मजबूत होगी? क्या इसका असर आने वाले चुनाव में भी देखने को मिलेगा? आइए समझते हैं... 1. टैक्स में बड़ी छूट, सात लाख तक की आय पर कोई कर नहीं रू मोदी सरकार 2.0 के आखिरी पूर्ण बजट में मध्यमवर्गीय लोगों का सबसे ज्यादा ख्याल रखा गया। सरकार ने बजट में टैक्स छूट का एलान कर दिया। अब सालाना सात लाख रुपए तक की कमाई होने पर किसी तरह का टैक्स नहीं देना होगा। यह छूट सिर्फ नई टैक्स रिजीम के तहत मिलेगी। अभी भी इनकम टैक्स रिटर्न भरने के लिए लोगों के पास दो ऑप्शन बने रहेंगे। अभी तक 2.5 लाख रुपए तक की कमाई टैक्स फ्री थी, इसे बढ़ाकर तीन लाख कर दिया गया है। इसका फायदा देश के करीब 50 करोड़ से ज्यादा लोगों को मिलेगा।

2. आवासीय योजना का बजट 66 फीसदी बढ़ा बजट में गरीबों के लिए केंद्र सरकार का सबसे बड़ा एलान आवासीय योजना को लेकर हुआ। पिछले साल के मुकाबले सरकार ने इस बार आवासीय योजना के बजट में 66 फीसदी की बढ़ोतरी की है। पिछली बार आवासीय योजना के 48 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। इसके जरिए देशभर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में कुल 80 लाख घरों का निर्माण किया गया। पीआईबी की एक अधिसूचना के अनुसार, तीन जनवरी, 2022 तक कुल 1.14 करोड़ घरों के निर्माण को मंजूरी दी गई थी, जिनमें से 53.42 लाख घरों का

निर्माण और वितरण किया जा चुका है। अधिसूचना में कहा गया है कि नई तकनीकों का उपयोग करके 16 लाख घरों का निर्माण किया जा रहा है।

3. गरीब परिवार को अगले साल तक मुफ्त राशन रू केंद्र सरकार ने सभी अंत्योदय और प्राथमिकता परिवारों को अगले साल यानी 2024 तक मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का एलान किया है। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता और अभिषेक समेत 37 स्टार करेंगे प्रचार

त्रिपुरा में पैर जमाने के लिए तृणमूल कांग्रेस ने पूरी रणनीति बना ली है। इसके तहत टीएमसी ने अपने स्टार प्रचारकों की भी घोषणा कर दी है। बहुत जल्द एक पूरा समूह त्रिपुरा पहुंच रहा है। बुधवार को 37 स्टार प्रचारकों में सूची में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी प्रचार प्रमुख हैं। बताया जा रहा है कि छह और सात फरवरी को दोनों त्रिपुरा आ रहे हैं। त्रिपुरा प्रदेश तृणमूल कांग्रेस ने ट्वीट करके यह जानकारी दी।पश्चिम बंगाल तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष सुब्रत बख्शी के साथ तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद सुदीप बनर्जी त्रिपुरा में चुनाव प्रचार करेंगे। लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा, काकली घोष दस्तीदार, कोलकाता की मेयर मिमी चक्रवर्ती और शहरी विकास और नगरपालिका मामलों के मंत्री फिरहाद हाकिम सहित कुल 37 स्टार प्रचारक चुनाव में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों का हौसला बढ़ाने और उनका समर्थन करने आ रहे हैं। वहीं अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता व मंत्री शशि पांजा भी पहुंचेंगे।इनके अलावा, प्रचारकों में त्रिपुरा प्रदेश तृणमूल कांग्रेस के प्रभारी रजीब बनर्जी, त्रिपुरा प्रदेश तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष और त्रिपुरा प्रदेश तृणमूल कांग्रेस चुनाव समिति के अध्यक्ष पीयूष कांति बिस्वास, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव और त्रिपुरा प्रदेश तृणमूल कांग्रेस चुनाव समिति के सह–अध्यक्ष शामिल हैं। पश्चिम बंगाल युवा तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष सयानी घोष, पश्चिम बंगाल राज्य तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता देबांशु भट्टाचार्य, पश्चिम बंगाल तृणमूल छात्र परिषद के उपाध्यक्ष सुदीप राहा और युवा तृणमूल कांग्रेस के अन्य नेता त्रिपुरा के युवा समाज को बढ़ावा देने के लिए त्रिपुरा आ रहे हैं।

महाराष्ट्र कर्नाटक सीमा विवाद पर बोले कृपाशंकर

भिवंडी। महाराष्ट्र में रहने वाला उत्तर भारतीय यहां की उर्वरा मिट्टी और यहां की गौरवशाली संस्कृति से जुड़ चुका है। महाराष्ट्र की अस्मिता पर कभी आंच आई तो सबसे पहले उत्तर भारतीय अपना बलिदान देगा। भिवंडी में आयोजित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए महाराष्ट्र केस पूर्व गृह राज्य मंत्री तथा प्रदेश उपाध्यक्ष कृपाशंकर सिंह ने उपरोक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर अगर खून देना पड़ा तो उत्तर भारतीय पहली पंक्ति में खड़ा होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर भारतीय बागी हो सकता है परंतु गद्दार नहीं। उत्तर प्रदेश के लोगों की रगों में भगवान राम और भगवान कृष्ण की भक्ति धारा बहती है। उत्तर भारत के लोग मेहनतकश और ईमानदार है। कृपाशंकर सिंह ने कहा कि यह सर्वविदित है कि जब हम सब के आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक को लेकर विरोध प्रकट किया गया था तथा उनके क्षत्रिय होने पर प्रश्न चिन्ह लगाया गया था, ऐसे में वाराणसी के सुविख्यात पंडित गागा भट्ट ने रायगढ़ आकर साबित किया कि शिवाजी महाराज, राजस्थान के क्षत्रिय जाति के सिसोदिया परिवार के वंशज हैं। इस बात को सर्वसम्मति से मान भी लिया गया था। उन्होंने शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक करवाया। पंडित गागा भट्ट की बदौलत ही पूरे मराठा समुदाय को क्षत्रिय होने का गौरव प्राप्त हुआ। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा, भिवंडी के अध्यक्ष प्रवीण मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय पंचायती राज मंत्री कपिल पाटिल, विधायक महेश चौगुले,भिवंडी के भाजपा अध्यक्ष संतोष शेट्टी, आरपीआई के भिवंडी अध्यक्ष महेंद्र गायकवाड, सुमित पाटील, श्याम अग्रवाल समेत अनेक मान्यवर उपस्थित रहे।

देशभक्ति नारों के साथ सांसद मनोज कोटक का शहीद परिवार गौरव समारोह संपन्न

मुंबई। ईशान्य मुंबई के बीजेपी सांसद मनोज कोटक के मार्गदर्शन में युवक प्रेरणा फाउंडेशन द्वारा लगातार छठे वर्ष रविवार दि. २६ जनवरी, २०२३ के दिन मुंबई के मुलुंड (पश्चिम) स्थित कालिदास मैदान में शहीद परिवार गौरव समारोह २०२३ का आयोजन किया गया। जिसमें सभी उपस्थित लोग श्शहीद जवान अमर रहेश, श्भारत माता की जयश और श्वंदे मातरमश के बुलंद नारे लगाते हुए देशभक्ति के रंग में रंगे हुए नजर आ रहे थे। इस समारोह में भारत माता तथा दिल्ली में समर स्मारक (वॉर मेमोरियल) की विशाल प्रतिकृति, अमर जवान स्मारक, शहीद सैनिकों की तस्वीरों के साथ उनका संक्षिप्त परिचय के साथ इंडिया गेट दर्शाता हुआ एक भव्य मंच बनाया गया था। यहा पर गौरतलब है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने हाल ही में भारत के २१ द्वीपों के नाम भारत के २१ परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे है और शहीद परिवार गौरव समारोह २०२३ में इन सभी २१ परमवीर चक्र विजेताओं की जानकारी प्रदर्शित की गई थी जिसने समारोह में उपस्थित सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया था। इस समारोह में भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए जाने वाले आधुनिक शस्त्रों की प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण रही। भारतीय सेना की असम रेजीमेंट के सहयोग से शस्त्रों की यह प्रदर्शनी रविवार, दिनांक २६ जनवरी, २०२३ को सुबह ६ से लेकर शाम ५ बजे तक युवक प्रेरणा फाउंडेशन और विझन स्मार्ट इंडिया द्वारा आयोजित की गई थी, जिसे सुबह से ही लोगों का अतुलनीय प्रतिसाद मिल रहा था। भारतीय सेना के शस्त्रों के इस प्रदर्शनी को देखने के लिए वरिष्ठ नागरिक और स्कूली बच्चों सहित हजारों की संख्या में नागरिक कालिदास के मैदान में आए थे। कालिदास के विशाल प्रांगण में आयोजित शहीद परिवार गौरव समारोह में इस वर्ष कारावाड़ी, जिला सातारा के शहीद सिपाही रोमित तानाजी चव्हाण, नंदनवन, जिला कोल्हापुर के शहीद सिपाही अविनाश अप्पा कागिनकर और दींडोरी, जिला नासिक के शहीद लांसनायक प्रसाद कैलाश क्षीरसागर के परिजनों को उपस्थित गणमान्य महानुभावों के हाथों शॉल, सम्मान पत्र एवं शहीद जवान का छायाचित्र भेंट कर पूरे मान व सम्मान के साथ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रत्येक परिवार को डेढ़ लाख रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। इस समारोह में राष्ट्रीय स्तर के कवि मध्य प्रदेश–देवास के शशिकांत यादव श्शशिश, राजस्थान–भीलवाड़ा के दीपक पारिख, उत्तर प्रदेश–प्रतापगढ़ की कुमारी साक्षी तिवारी, उत्तर प्रदेश–कानपुर के हेमंत पाण्डेय और राजस्थान–कोटा के जगदीश सोलंकी ने शौर्यरस और वीररस की कविताओं के माध्यम से भारतीय सेना के गौरवगान किए। वहीं, किरण खोत और उनके साथियों ने महाराष्ट्र परंपरा के अनुसार भक्तिगीत और लोकगीत के एक विशेष प्रकार श्गोंधणश के माध्यम से शहीद जवानों की शहादत का वर्णन अनूठे अंदाज में किया, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने सराहा। इस समारोह में मुंबई भाजपा अध्यक्ष विधायक एड. आशीष शेलार, पूर्व मंत्री प्रकाश मेहता, ईशान्य मुंबई जिलाध्यक्ष अशोक राय, मुंबई भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता बिरजू मुंडाडा, सामाजिक अग्रणी धीरज मानसत्ता और मुंबई मनपा के गणमान्य नगर सेवकों और नगर सेविकाओं के अलावा भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी, अन्य दलों के राजनीतिक नेता, भारतीय सेना के पूर्व सेनानी, विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी, विभिन्न भाषीय समाजों के अग्रणी, संस्थानों, ट्रस्टों, समाजों के पदाधिकारी, पत्रकार, शिक्षक सभी एक भारतीय नागरिक के रूप में उपस्थित थे।मुंबई बीजेपी अध्यक्ष एड. आशीष शेलार ने सांसद मनोज कोटक के मार्गदर्शन में आयोजित शहीद परिवार गौरव समारोह के उद्देश्य की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि षजिसके पास जीवन है उसकी मृत्यु निश्चित है। लेकिन दूसरों के लिए अपनी जान देने का सौभाग्य सभी को नहीं मिलता है और इसीलिए देश के लिए शहीद होने वाले सैनिक को अमर कहा जाता है। वहीं युवक प्रेरणा फाउंडेशन के प्रेरणा स्त्रोत सांसद मनोज कोटक ने अपने संबोधन में कहा कि श्इस समारोह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यह दिखाना है कि जिन परिवारों ने देश की रक्षा के लिए अपने संतानों का बलिदान दिया है वह परिवार अकेला नहीं हैं, पूरा देश इस परिवारों के साथ खड़ा है। क्योंकि देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाला शहीद जवान किसी एक परिवार का नहीं होता, वह हमारे परिवार का भी सदस्य बन जाता है।ष अपने संबोधन के अंत में उन्होंने युवक प्रेरणा फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस शहीद परिवार गौरव समारोह को यशश्वी बनाने के लिए अपना योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का आभार व्यक्त किया।आभार प्रदर्शन बाद राष्ट्रगान के साथ शहीद परिवार गौरव समारोह २०२३ का समापन हुआ।

गुमशुदा 5 वर्षीय बच्चे की हत्या में जैतपुरा पुलिस ने अभियुक्त को किया गिरफ्तार

वाराणसी पुलिस आयुक्त द्वारा चलाए जा रहे अभियान मे पुलिस उपायुक्त काशी जोन आर0 एस0 गौतम व अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त चेतगंज के पर्यवेक्षण में जैतपुरा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0– 0026ध् 2023 धारा 363ध्364 भादवि थाना जैतपुरा की विवेचनात्मक कार्यवाही के तहत गुमशुदा बालक की तलाश ध्बरामदगी की कार्यवाही के दौरान जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त होने पर छवि महल टाकीज के पीछे संजय नगर कालोनी कूड़े खाने के पास एक थर्माकोल के गत्ते के अंदर प्लास्टिक की बोरी व पारदर्शी पन्नी में एक बच्चे का शव बरामद किया गया। पुलिस द्वारा शिनाख्त के दौरान घटनास्थल के आस पास स्थित सीसीटीवी कैमरों के अवलोकन से एक संदिग्ध व्यक्ति गुमशुदा बालक का हाथ पकड़े बुनकर मार्केट बड़ी बाजार की तरफ जाते हुए देखा गया जिसकी पहचान वादी मुकदमा द्वारा शाहिद जमाल पुत्र सेराजुल हक निवासी जे 18ध्9ए सलारपुरा बड़ी बाजार के रूप में की गयी। संदिग्ध शाहिद जमाल उपरोक्त को थाने पर लाकर पूछताछ की गयी तो उसके द्वारा अपना जुर्म स्वीकार किया गया।तदोपरांत अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया,बरामद शव के पोस्टमार्टम के अनुसार मृत्यु दम घुटने से होना पाया गया। पूछताछ मे अभियुक्त शाहिद जमाल पुत्र सेराजुल हक निवासी जे 18ध्9ए सलारपुरा बड़ी बाजार,हाल पता चाचा नुरुल हक का घर कल्लू चाय वाली गली में नक्खीघाट थाना जैतपूरा उम्र करीब 19 वर्ष ने बताया कि मेरी बुनकर मार्केट में सेन्ट्रल बैंक के बगल में शाहिद जमाल जनरल स्टोर की दुकान है। जिस पर सिर्फ मै बैठता हूँ। मृतक व इसके दोस्त मेरा 500 रुपये चुरा लिये थे, जिससे मेरी दुश्मनी थी। जब भी मैं उसके मुहल्ले में जाता था, तो वे सब हमको मारते थे और मैं सोच लिया था कि अब ये लोग इधर आयेंगे तो मै भी उनको मारूंगा। तभी शनिवार दिनांक 28.01.2023 की रात करीब 9.30 बजे अपने सलारपुरा वाले घर से खाना का डिब्बा लेकर नक्खीघाट के लिए निकला तभी जैसे ही दोषीपुरा मैदान में किराने की दुकान केपास आया, तभी मृतक अपने चाचा के लड़के के साथ दुकान के पास दिखायी दिया। तब मै उसे बुलाकर फुसलाकर टाफी के लिए चार रूपया देकर अपने साथ अपने जनरल स्टोर की दुकान बुनकर मार्केट में ले आया और मैं दुकान का ताला खोलकर उसको लेकर अन्दर चला गया। तब वह चिल्लाने लगा, फिर मैने उसे तीन चार थप्पड़ मारा, तो वह और चिल्लाने लगा, तब मैं उसका मुंह प्लास्टिक की बोरी से दबा दिया, जब वह शांत होकर मर गया तब मै उसे उसी बोरी में भरकर उसके ऊपर एक बोरा व एक पेटी रख दिया। उसके बाद मै शटर का ताला बन्द करके चला गया। फिर दूसरे दिन दिनांक 29.01.2023 की सुबह करीब 7.30 बजे अपने नक्खीघाट वा घर से निकल कर अपनी जनरल स्टोर की दुकान बुनकर मार्केट आया, शटर का ताला खोलकर अन्दर गया। मृतक के शव को उसी प्लास्टिक की बोरी में रखकर एक थर्माकोल के डिब्बे में रखकर बांध कर अपने सिर पर में उठाकर ले जाकर काजीपुरा स्थित छवि महल टाकीज के पीछे वाले गेट के पास बिजली के खम्भे के पास स्थित कूड़े के स्थान पर रख दिया, उसके बाद वहीं से दूसरी गली से होते हुए अपने घर नक्खीघाट चला गया,गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम प्र0नि0 मथुरा राय थाना जैतपुरा,व0उ0नि0 मनोज कुमार,30नि0 मो(0) सूफियान खां चौकी प्रभारी चौकाघाट, उ0नि0 सौरभ सिंह,का. नवीन कुशवाह,का0 कपिल देव थाना जैतपुरा कमिश्नरेट वाराणसी।

हेड मास्टर से मिलने गए भाजपा के पदाधिकारियों को युवक ने दी गाली,

थाना जेठवारा क्षेत्र के अनतपुर निवासी जय भगवान पाण्डेय ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि सुरेन्द्र सरोज निवासी दूल्हेपुर व अमृतलाल सरोज धामापुर के साथ चमरूपुर शुक्लान स्थित प्रा. वि. में प्रधानाचार्य से मिलने गए थे जहां पर चमरुपुर शुक्लान निवासी गुंजन तिवारी पहुंचे और सभी को गाली देते हुए जान से मारने व गोली मारने की धमकी देने लगा।आरोप है कि सुरेंद्र कुमार ने जब विरोध किया तो उनको भी जाति सूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी कहा कि यदि कहीं शिकायत करोगे तो अच्छा नहीं होगा घटना की तहरीर थाने में दी गई है।

मुर्तिहा क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक की मौत तीन घायल

संवाददाता दि ग्राम टुडे मोतीपुर बहराइच। थाना कोतवाली मुर्तिहा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बोझिया मोड़ के पास मंगलवार सुबह दो बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत हो गई जिसमें एक की मौके पर ही मृत्यु हो गई तथा तीन व्यक्ति घायल हुए जिन्हें चिकित्सा हेतु भेजा गया । थाना कोतवाली मुर्तिहा कोतवाल शशि कुमार राणा ने बताया कि सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक शंकर दयाल दीक्षित पुत्र धनंजय उम्र 60 वर्ष निवासी ग्राम बोझिया थाना कोतवाली मुर्तिहा तथा घायल हुए व्यक्तियों में दुर्गेश 28 वर्ष पुत्र राजेंद्र निवासी मिहींपुरवा , जंग बहादुर पुत्र देवकी 28 वर्ष निवासी ग्राम तिकुनिया खीरी ,राम लखन 32 वर्ष निवासी गिरंट बाजार श्रावस्ती शामिल हैं। घायलों को इलाज हेतु अस्पताल भेजा गया है। मृतक शंकर दयाल दीक्षित के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जा रही है।

शिवपाल यादव को सपा राष्ट्रीय महासचिव बनने पर बधाई शशिप्रताप सिंह

बृजेश कुमार सिंह ब्यूरो चीफ वाराणसी दि ग्राम टुडे हिंदी दैनिक

वाराणसी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव से वाराणसी से लखनऊ वापस जाते हुए तरना शिवपुर मे औपचारिक मुलाकात राष्ट्रीय समता पार्टी के संयोजक शशिप्रताप सिंह ने किया हुई। साथ में राष्ट्रीय महासचिव प्रकाश जायसवाल तथा रासपा कार्यकर्ता रहे।आने वाले सभी चुनावो को मिलकर लड़ने पर बात हुई, शिवपाल यादव ने कहा कि आगामी चुनाव में आपकी जमीन है समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय समता पार्टी मिलकर चुनाव लड़ेगी राष्ट्रीय समता पार्टी ने शिवपाल यादव जी को समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनने पर बधाई दिया।

एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में नशे के विरुद्ध शतक

इंद्री करनाल। हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो प्रमुख एवं अंबाला मंडल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव भापुसे साहब के दिशानिर्देशों मार्गदर्शन प्रेरणा और नेतृत्व में गांव स्तर तक नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस कड़ी में आज इंद्री खंड के गाँव राजेपुर में स्थित चौधरी मेहर सिंह मेमोरियल पब्लिक स्कूल में एक दिवसीय 100वां नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय की प्राचार्या पूनम शर्मा के नेतृत्व में अध्यक्ष विशाल चौधरी की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में पधारे हुए थे। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करते हुए कहा कि नशा करने की सीख देने वाला व्यक्ति आपका सबसे बड़ा शत्रु है और यह शत्रु मित्र, पड़ौसी, चचेरे व ममेरे भाई के रूप में हो सकता है। नशे के तस्कर और देश विरोधी शक्तियां भी युवाओं को नशे के जंजाल में उलझा रही है। नशा करना सरल है लेकिन थोड़े ही समय में नशा करने वाला व्यक्ति नशा छोड़ना चाहता है लेकिन यह नाग रुपी नशा उसके रक्त में समाहित होकर उसके जीने के लिए आवश्यक बन जाता है। उन्होंने कहा कि नशे की पहली सीढ़ी बीड़ी सिगरेट तम्बाकू और शराब हैं जो ड्रग्स के नशों की और प्रेरित करती हैं। आज अवसर है कि नशे की लत में पड़ चुके युवा नशे से न कहें। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा राज्य को नशा मुक्त करने के लिए हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो गठित किया है जिसकी बागडोर दबंग आईपीएस अधिकारी श्री श्रीकांत जाधव साहब को सौंपी गई हैं। उनके दिशानिर्देशों से ही आज करनाल जिले में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम शतक लगा चुका है और गाँव गाँव जाकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ब्यूरो द्वारा एक हेल्पलाइन नंबर 9050891508 जारी किया गया है जिस पर कोई भी व्यक्ति गुप्त सूचनाएं देकर नशा मुक्त हरियाणा अभियान में सहयोग कर सकता है। नशा छोड़ने वाले भी इस पर संपर्क करें। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक स्वर में शपथ ग्रहण करते हुए कहा कि मैं प्रण करता हूं कि जीवन में किसी भी प्रकार का नशा नहीं करूंगा और अन्य लोगों को भी नशा न करने के लिए प्रेरित करूंगा। यदि कोई व्यक्ति नशे का कारोबार करता है अथवा कोई व्यक्ति नशा छोड़ना चाहता है तो इसकी सूचना हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 पर दुंगा। इस अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार द्वारा हाथ से हाथ जोड़ो एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि मनाई गई

रीवा ब्लाक कांग्रेस कमेटी मझियार द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्य तिथि के अवसर पर उनके चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तत्पश्चात् हांथ से हांथ जोड़ो यात्रा के तीसरे दिन ग्राम पंचायत झिरिया में जनता जर्नादन से मुलाखात कर कांग्रेस पार्टी की रीति नीति से अवगत कराते हुए भाजपा सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धर्मेन्द्र तिवारी बब्बुल, ब्लाक अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, शिवकुमार तिवारी, जवाहर प्रसाद द्विवेदी, डॉ.भारत सिंह, आनन्द द्विवेदी, प्रशान्त कुमार गर्ग, रावेन्द्र कोल, संजीव द्विवेदी, लालजी तिवारी, समयलाल तिवारी, आनन्द गुप्ता, सनी समदड़िया, वीरेन्द्र द्विवेदी, प्रभाकर सिंह मन्जेश, विपिन सिंह, राहुल सिंह, रमश गुप्ता, जितेन्द्र तिवारी, पप्पू द्विवेदी, सुखेन्द्र तिवारी, राजेन्द्र शुक्ला, रामराज मिश्रा सहित कांग्रेस के वरिष्ठ कनिष्ठ उपस्थित रहे।

मां कैला देवी की महिमा है अपरंपार : डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन ।प्रेम गली–वनखंडी स्थित मां अन्नपूर्णा मन्दिर से भक्तों व श्रृद्धालुओं की धार्मिक यात्रा करौली स्थित मां कैला देवी के दर्शन हेतु मन्दिर के सेवायत व प्रमुख समाजसेवी पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ के नेतृत्व गई ।वहां पर इस धार्मिक यात्रा में गए 500 से भी अधिक भक्तों व श्रृद्धालुओं ने मां के दर्शन कर उन्हें भव्य पोशाक अर्पित की ।साथ ही उन्हें 56 भोग निवेदित किए ।इसके अलावा रात्रि जागरण में उनकी महिमा से ओतप्रोत भजनों का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया गया ।अगली सुबह देवी मां के अभिषेक व पूजन–अर्चन के बाद कन्याओं व लागुं राओं को भोजन कराकर उन्हें उपहार वितरित किए गए ।प्रमुख समाजसेवी पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि मां कैला देवी की महिमा अपरंपार है ।उनके दर्शन करने वाले के सभी मनोरथ निश्चित ही पूर्ण होते हैं ।इसीलिए यहां प्रतिदिन समूचे देश से दर्शनार्थियों का तांता लगा रहता है ।सर्वोदय ब्राह्मण विकास संस्थान,मथुरा के अध्यक्ष पंडित सोहन लाल शर्मा (कातिब) व प्रमुख समाजसेवी श्रीगोपाल वशिष्ठ ने कहा कि मां कैला देवी की शक्तिपीठ समूचे देश की गिनी–चुनी शक्तिपीठों में प्रमुख शक्तिपीठ है ।अत्यंत चमत्कारिक व शीघ्र कृपा करने वाली हैं ।जो व्यक्ति इनकी शरण में आ जाता है,उनकी वे सभी समस्याओं का हरण कर लेती हैं ।इस अवसर पर जयपुर के पुलिस अधीक्षक पंकज चौधरी, आशीष गोस्वामी, आचार्य रामविलास चतुर्वेदी, डॉ. राधाकांत शर्मा, देवेश वशिष्ठ, गिरधारीलाल चतुर्वेदी, बिहारीकांत तिवारी,आचार्य राकेश, आलोक बंसल, डॉ. विनोद शर्मा, अशोक शर्मा, बृजेन्द्र किशोर गोस्वामी, गोपी गोस्वामी, बालकृष्ण गोस्वामी आदि की उपस्थिति विशेष रही।

महंगे ओपीएस के पर्याय की नितांत आवश्यकता

ओपीएस (ओपन प्लगेबल स्पेसिफिकेशन) का व्यापक रूप से स्मार्ट बोर्ड और इंटरैक्टिव पैनल में उपयोग किया जाता है। ये ज्यादातर एनोटेशन सॉफ्टवेयर, इंटरनेट ब्राउजिंग और पिछले एक दशक से शैक्षिक सामग्री के लिए उपयोग किए जाते हैं।वे विभिन्न समस्याओं का कारण बनते हैं और महंगे होते हैं । हीटिंग मुद्दों और हार्डवेयर को नुकसान भी देखा जाता है। साथ ही अतिरिक्त बिजली की खपत और सेटअप लागत में 40 हजार से 50 हजार रुपए की वृद्धि कुछ ऐसी चीज है, जिसे टाला जा सकता है। आज के प्रौद्योगिकी युग में, ओपीएस कार्यक्षमता के बिना नई तकनीकों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, ऐसे सॉफ्टवेयर जो ब्राउजिंग या शैक्षिक सामग्री के लिए उपयोगी हो सकता है, उनका इस्तेमाल होना चाहिए ताकि बिजली , पैसा आदि की बचत हो सके।

पाल सेवा संघ, मुंबई का वार्षिक स्नेह सम्मेलन संपन्न

पाल समाज की अग्रणी संस्था श्पाल सेवा संघश का नौवाँ वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं सत्कार समारंभ 29 जनवरी को मीरा रोड पूर्व के शिवार गार्डन स्टेडियम में अपार जनसमूह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उद्योगपति लालधारी पाल, राष्ट्र उदय पार्टी के अध्यक्ष बाबूराम पाल, संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद पाल की उपस्थिति में पाल सेवा संघ ने बसपा. प्रदेश अध्यक्ष (उ.प्र.) विश्वनाथ पाल को श्पाल रत्न सम्मानश,प्रसिद्ध समाजसेवी नंदकिशोर धनगर (दिल्ली), श्रीम. प्रीति राजकुमार पाल (जिला पंचायत सदस्य, जौनपुर), तथा शंकर विरकर (शिवसेना उपजिला प्रमुख, मिरा भायंदर) को श्पाल शिरोमणि सम्मानश से सम्मानित किया । इसी सम्मेलन में दिनेश पाल (चै, भदोही), मीनू धनगर (फुटबाल खिलाड़ी, अलीगढ़), जीतू बघेल (अभिनेता, दिल्ली) एवं संगीता पाल (पत्रकार, मुंबई) को श्पाल गौरव पुरस्कारश तथा समाज के प्रतिभावान नन्हें इतिहासकार के नाम से मशहूर यशवर्धन पाल (कानपुर), कोडिंग् मास्टर देवांश धनगर (आगरा) एवं बाल फिल्म कलाकार यशोधन पाल (वापी)को श्पाल वैभव पुरस्कारश से नवाजा गया ।इस अवसर पर पाल समाज के तमाम संस्थाओं के सभी पदाधिकारी एवं भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। पाल समाज के अग्रणी रामलखन पाल, राम भाई पाल, अशोक पाल, राममूर्ति पाल(रामू) बद्रीनारायण पाल, रामराज पाल, राधेश्याम पाल, सुबेदार पाल,शिवबेचन पाल,निरंजन पाल, राजेश पाल, पुन्नवासी पाल, मुन्नालाल पाल, राजकुमार पाल इत्यादि सैकड़ों लोगों ने पाल सेवा संघ के सभी पदाधिकारियों बंशराज पाल, कैलाश पाल, जयमूर्ति पाल, कमलेश पाल, राजेश पाल, महेंद्र पाल, चतुर्भुज राउत, जगदीश पाल, एल.बी. पाल, हौशिला प्रसाद पाल राजीव पाल, मनोज पाल, लल्लन पाल,मनीराम पाल, हिंदसितारे पाल, रामकिसुन पाल,सूर्यनाथ पाल, राजाराम पाल, रेखा पाल योगेंद्र पाल इत्यादि को पाल–धनगर–गड़रिया समाज को एकजुट करने एवं सामाजिक रूप से संगठित करने हेतु किए गए इस उल्लेखनीय कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया। विगत 27 वर्षों से पूरे देश में श्सेवा के एक मिशनश पर कार्य करनेवाले पाल सेवा संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद पाल (शिक्षक) एवं ईश्वरदेव पाल (संस्थापक सचिव व प्रधानाध्यापक) ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस पार्टी पर हमला करने वाले अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी दिनांक 31.01.2023 को समय लगभग 18.30 बजे को सूचना मिली की थाना सैनी क्षेत्रान्तर्गत चौकी सिराथू में करनपुर चौराहे के पास ग्राम सौरई खुर्द में फल विक्रेताओं के साथ मारपीटध्वाद विवाद हो रहा है । सूचना पर उ0नि0 चन्दन सिंह प्रभारी चौकी सिराथू मय हमराह पुलिस फोर्स द्वारा तत्काल पहुंचकर शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु दोनो पक्षों को मौके से हटाने का प्रयास किया गया परन्तु मौके पर 1. रामू 2. जयप्रकाश पुत्रगण ओमप्रकाश पासी नि0 करनपुर थाना सैनी जनपद कौशाम्बी द्वारा कार्यसरकार में बाधा डालते हुए का0 विकास कुमार चौकी सिराथू थाना सैनी के ऊपर अचानक प्रहार कर दिया, जिससे आरक्षी के सिर पर गम्भीर चोटें आ गयी । मौके पर थाना प्रभारी भुवनेश कुमार चौबे मय हमराह पुलिस द्वारा पहुँचकर शान्ति व्यवस्था कायम करते हुए घायल आरक्षी को इलाज हेतु अस्पताल भिजवाया गया तथा मौके से अभियुक्तों को गिरफ्तार कर निशादेही पर घटनास्थल करनपुर चौराहे के पास ही घटना में प्रयुक्त एक अदद राड (लोहे की) को बरामद किया गया । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा गया ।

15000 – रुपये के इनामिया वांछित अभियुक्त को 500 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी जनपद में अपराधा एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना मंझनपुर पुलिस उ0नि0 रजनीकान्त राजपूत मय हमराह पुलिस बल द्वारा मुखबिर की सूचना पर 15000 – रुपये के इनामिया वांछित अभियुक्त मौला लोधी पुत्र रामसिया नि0 अलवारा थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को नहर पुलिया ओसा के पास से 500 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया, जो अक्टूबर 2019 में ओसा चौराहे के पास सुभाष जायसवाल की दुकान पर हुई चोरी की घटना में सम्मिलित था । जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर पंजीकृत अभियोग में दिनांक 24.10.2019 से वांछित चल रहा था । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 33ध्23 धारा 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

हिंदू महासभा की शिकायत पर हटी रेलवे की जमीन से अवैध मजार : छाया गौतम

अखिल भारत हिंदू महासभा जिला अध्यक्ष छाया गौतम ने बताया करीब 4 महीने पहले उनको जानकारी मिली रेलवे की जमीन पर अवैध मजार बना ली गई है। मुस्लिम समाज के कुछ लोग मजार के बगल में टेंट लगाकर रह रहे थे। हिंदू महासभा ने निरीक्षण किया और अवैध मजार को हटाने के लिए रेलवे मंत्रालय रेलवे अधिकारियों को शिकायत पत्र द्वारा शिकायत की रेलवे अधिकारियों ने पूरी जांच करा कर बिना सामाजिक सौहार्द्र को बिगाड़े अवैध मजार को रातों–रात हटा दिया। युवा जिला अध्यक्ष विजय पाल सिंह ने बताया सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ना या शांति भंग करना हिंदू महासभा का उद्देश्य नहीं है। हमारा उद्देश्य है हिंदू राष्ट्र बने और अवैध अतिक्रमण को शासन प्रशासन की मदद से हटाया जाए। प्रदेश प्रवक्ता संजय हरियाणा, महानगर अध्यक्ष रामप्रकाश शर्मा, जिलासचिव पवन गौतम, मंडलअध्यक्ष नीरज गौतम, जिलासचिव आशीष शर्मा, जिला उपाध्यक्ष निरंजन गुर्जर, आदि सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने रेलवे अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

पूजा कुमारी गुप्ता को हिंद शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया

भव्या फाउंडेशन का सम्मान समारोह जयपुर में संपन्न हुआ। अंतर्राष्ट्रीय मैत्री सम्मलेन और हिन्द शिरोमणि सम्मान समारोह–2023 में गुजरात विश्वविद्यालय भाषा भवन से हिंदी साहित्य की शोधार्थी पूजा कुमारी गुप्ता सुश्री जयप्रकाश गुप्ता कोभव्या फाउंडेशन के द्वारा हिंद शिरोमणि सम्मान समारोह में शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। मूल रूप से यह दिल्ली द्वारका निवासी को पूर्व में खेल जगत के साथ–साथ एनसीसी ,एनएसएस के अंतर्गत कई एडवेंचर कैंप में अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिया। वर्तमान में यह स्वास्थ्य खराब होने के कारण निशक्त होने के बावजूद भी अपने हुनर का पंचम लगातार लहराते हुए अन्य निशक्त जन को भी कुछ कर दिखाने का हौसला जाहिर करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। इसके साथ ही कड़ी मेहनत और लगन के साथ निरंतर प्रयास करते हुए शिक्षा क्षेत्र एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट मैत्री कार्य को देखते हुए उन्हें हिंद शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही देश,विदेश और प्रदेश की 200 प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया, जिनमे निशक्त जन, कैंसर पीड़ित और आटिज्म वर्रिएर्स, नेत्रहीन बच्चों और बाल बसेरा गृह के बच्चों को भी सम्मानित किया गया। इस बार इस प्रोग्राम में 14 देशों के अवार्डीज शामिल हुए। इस रविवार 29जी जनवरी, को भव्या फाउंडेशन के तत्वाधान में कैंसर पीड़ितों और शारीरिक रूप से अक्षम और आटिज्म वर्रिएर्स बच्चों लोगों की सहायतार्थ आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मैत्री सम्मलेन और हिन्द शिरोमणि सम्मान समारोह –2023 सम्मान समारोह रविवार सुबह 10.00 बजे से सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी– जगतपुरा दृ जयपुर के कालिंदी ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ, जिसमें देश, विदेश और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष मुकाम हासिल करने वाले 200 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। भव्या फाउंडेशन के संस्थापक शैलेन्द्र माथुर और निदेशक डॉ. निशा माथुर ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात समाजसेवी और पत्रकार श्री पवन कपूर जी दिल्ली और क्ब्ब सुनीता मीणा की द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके प्रोग्राम का शुभारम्भ किया गया । इस समारोह में पूरे देश भर से कई विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत करी। जिनमे श्री इंद्रजीत भारती, शिहान राधे गोविन्द माथुर, श्री छैल बिहारी माथुर,श्री रविंद्र बुंदेला, जनाब एम् सिद्दकी, श्री विपिन माथुर, श्री बी के माथुर, डॉ. आनंद सिंह, इरम फात्मा जन्नत, श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव, श्री उदय वीर सिंह जी, मिसेज पूनम धीरेन्द्र, परमिला बेदी, श्री विजेन्द्र जी डोडा, श्री सगनलाल जी डोडा, श्री शांति स्वरुप जी, श्री सत्य प्रकाश माथुर, श्री गोविंद स्वरूप माथुर, डॉ. ओम प्रकाश प्रजापति, श्री पवन जैन, श्री संजय दत्त माथुर, डॉ. जितेंद्र प्रसाद माथुर, श्री जयप्रकाश भटनागर, श्री प्रदीप कुमार आर्यन, नवीन चौधरी ,श्री नवल किशोर शर्मा, जनाब मोहम्मद अजरुद्दीन, श्री विनोद प्रजापति, श्री गोविन्द भारद्वाज, डॉ. कल्पेश पटेल, स्वामी संदीप शास्त्री और भी कई गणमान्य अतिथि उपस्थित हुए।

नवकुंभ द्वारा एक शाम देश के नाम हुआ संपन्न

साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक राष्ट्रीय पंजीकृत संस्था नव कुंभ साहित्य सेवा संस्थान के तत्वाधान में रविवार दिनांक 29 जनवरी 2023 एक शाम देश के नाम कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन ऑनलाइन वर्चुअल ब्रॉडकास्ट के माध्यम से किया गया। जिसकी अध्यक्षता वहीद निजामी माहिर (झांसी) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वानंद सिंह पथिक जमशेदपुर, पंकज सिंह दिनकर लखनऊ एवं मंतशा आरजू बांदा उत्तर प्रदेश से उपस्थित थी। मंच का भव्य संचालन सीमा मिश्रा नयन ने किया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी विनय शर्मा दीप ने बताया कि उक्त विशेष कार्यक्रम में श्रोता के रूप में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्षध्सह–संस्थापक अनिल कुमार राही के साथ संस्थापक प्रीतम श्रावस्तवी, धीरेंद्र वर्मा धीर, संजना चौरसिया, दिवाकर सिंह,सिंधवासिनी तिवारी, ममता राजपूत,दिनेश तिवारी, विनय कुमार अवस्थी, विपिन निषाद, मंजू सिंह, संदीप मिश्रा, मंजू कोसरिया, हरिश सिंह, सुरेश चंद्र जोशी एवं रामेंद्र कुमार सिंह आदि के साथ सैकड़ों की संख्या में उपस्थिति देखी गई। कवि सम्मेलन के अंत में उपस्थित आमंत्रित साहित्यकारों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया और सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

विज्ञापन दर
समाचार पत्र का साइज 25x32
फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

माघी पूर्णिमा पर 05 फरवरी को दौना में भव्यता के साथ मनेगी रैदास जयन्ती

बारा प्रयागराज 01 फरवरी, बहुजन समाज पार्टी के पूर्व मण्डल सेक्टर प्रभारी प्रबुद्ध फाउंडेशन के प्रबंधकः सचिव उच्च न्यायालय के अधिवक्ता समाजसेवी आईपी रामवृज ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि माघी पुर्णिमा पर प्रयागराज के यमुनापार की विधानसभा बारा, थाना घूरपुर के अन्तर्गत आने वाली ग्रामसभा दौना में संत शिरोमणि गुरु रैदास जी की जयन्ती पर विशाल जयन्ती समारोह का आयोजन आगामी 05 फरवरी 2023, दिन रविवार, समय पूर्वाह्न 11रू 00 बजे से किया गया है। जयन्ती समारोह के मुख्य संयोजक प्रबुद्ध फाउंडेशन के प्रबंधकध्सचिव रंग निर्देशक रंगकर्मी आईपी रामवृज ने बताया कि रैदास की वाणी में सत्य की सच्ची भावना, वैज्ञानिक सोच पर आधारित समाज के व्यापक हित की कामना तथा मानव प्रेम से ओत–प्रोत थी इसलिए रैदास की वाणी श्रोताओं के मन पर सीधा और गहरा प्रभाव डालता था। उनके भजनों तथा उपदेशों से लोगों को ऐसी शिक्षा मिलती थी जिससे उनकी शंकाओं का सन्तोषजनक समाधान हो जाता था और लोग स्वतः उनके अनुयायी बन जाते थे।आईपी रामवृज ने बताया कि दौना के आस पास गांव पचखरा, छीड़ी, छिड़िया, सेहुआर, तातारगंज, परसरा, रेरा, कांटी, चामू, खटंगिया, सीधे, जूही, कूड़ी, गौहानी जैसे दर्जनों गांवों से हजारों लोगों के उपस्थित होने की संभावना है।

यह बजट भारत की विराट संकल्प को पूरा करने के लिए एक मजबूत नींव का निर्माण करेगा

1 फरवरी प्रयागराज, केंद्र सरकार के द्वारा अमृत काल का पहला आम बजट पेश किए जाने पर भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि 2023 –24 का यह आम जनकल्याणकारी बजट विकसित भारत के विराट संकल्प को पूरा करने के लिए एक मजबूत नींव का निर्माण करेगा। और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा देश के नागरिकों को सामाजिक न्याय समानता सम्मान और समान अवसर प्राप्त कराने वाला बजट है और इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे और निवेश, क्षमता विस्तार ,हरित विकास ,युवा शक्ति एवं वित्तीय क्षेत्र के विकास में बल दिया गया और आज की आकांक्षी सोसायटी, गांव, गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, सभी के सपनों को पूरा करेगा। ऐसे सर्व स्पर्शी सर्व समावेशी एवं देश के जन–जन की सर्वांगीण कल्याण हेतु समर्पित आम बजट के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन जी को इस जनकल्याणकारी बजट के लिए सराहना व्यक्त करते हुए बधाई देता हूं

बधाई देने वालों में मुख्य रूप से अवधेश चंद्र गुप्ता, कमलेश कुमार गौतम ,कुंज बिहारी मिश्रा, देवेश सिंह ,वरुण केसरवानी ,राजेश केसरवानी विवेक अग्रवाल ,राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा ,प्रमोद मोदी, राघवेंद्र सिंह, सचिन जायसवाल, सुभाष वैश्य ,राजन शुक्ला ,विवेक गौड़, सत्येंद्र जायसवाल, अजय अग्रहरि, आशीष जायसवाल, आदि भाजपा कार्यकर्ताओं ने बजट की सराहना की

भाजपा के पूर्व के जुमलों पर एक बार फिर बजट के माध्यम से जुमले का पर्दा डालने का मात्र प्रयास है

लखनऊ 01 फरवरी 2023। केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में आज पेश किये गये आम बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री बृजलाल खाबरी ने कहा कि यह बजट पूरी तरह मध्यम वर्ग, श्रमिक, किसान, युवा, महिला तथा छात्र विरोधी है। भाजपा के पूर्व के जुमलों पर एक बार फिर बजट के माध्यम से जुमले का पर्दा डालने का मात्र प्रयास है। बजट पूरी तरह आम जनता के हितों पर कुठाराघात और छलावा है। उन्होंने कहा कि यह चुनावी बजट है, किसानों के लिए कुछ नहीं है। किसानों की एमएसपी की बात नहीं की है। रेलवे को पूरी तरह नजर अंदाज किया गया है। आधे से ज्यादा आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में बसती है लेकिन उनके लिए कुछ नहीं किया है। ये बहुत ही निराशाजनक बजट है। टैक्स स्लैब में बदलाव अच्छा, लेकिन सरकार बताएं कि गरीब, किसान, बेरोजगारों को क्या दिया गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हर गरीब को आवास, किसानों की आमदनी दुगनी, बुलेट ट्रेन, युवाओं को सालाना दो करोड़ रोजगार, महिला सुरक्षा जैसे बड़े बड़े वादों पर वित्त मंत्री ने कुछ नहीं कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। बजट एक तरफ जहां कुछ बड़े पूंजीपतियों केन्द्रित है वहीं दूसरी तरफ बजट पूरी तरह निराशावादी और देश के विकास को रसातल में ले जाने वाला है।

इस बजट से आम जनता की जो उम्मीदें थीं वह धूल धूसरित हो गई हैं। महंगाई, शिक्षा, चिकित्सा, किसानों की समस्याएं जस की तस हैं बजट में कुछ भी उनके लिए नहीं रखा गया है। कुल मिलाकर यह बजट युवा, महिला, बेरोजगार, किसानों एवं मध्यम व निर्धन वर्ग को महज एक दिवास्वप्न दिखाने जैसा है। बजट पूरी तरह खोखला और आम जनता के साथ धोखा है। प्रधानमंत्री जी एक तरफ पैर में हवाई चप्पल पहनने वाले गरीब को हवाई जहाज की यात्रा का सपना दिखाने की बात करते हैं वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश की योगी सरकार 24 प्रतिशत रोडवेज का किराया बढ़ाकर गरीब आदमी की कमर तोड़ने का काम कर रही है।

बजट में एक बार फिर से धोखा दिया गया (सैय्यद मोहम्मद अस्करी)

सपा प्रवक्ता सैय्यद मोहम्मद अस्करी ने केन्द्रीय बजट को झुनझुना बताते हुए कहा की आम ग्रहणीयों व्यापारियों मजदूरों सहित तमाम लोगों को इस बार के बजट में फिर से कोई रियायत नहीं दी गई।वहीं मजदूर तबके के लोगों से रोजगार छीनने का काम करने की योजना इस बजट में नजर आती है।नालों व सीवर की सफाई के लिए जहां सफाई नायक काम करते थे उसकी जगह मशीन ले लेंगी तो कुछ दिन बाद सफाई कर्मी भी सड़क पर आ जाएंगे। खाद्यान्न आपूर्ति को भले एक साल के लिए बढ़ा दिया गया हो लेकिन चावल या उसके बदले गेंहू से किसी का घर का चूल्हा नहीं जल सकता और न ही गरीब का पेट भरा जा सकता है ।सरकार को दाल और तेल की भी आपूर्ति सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

श्री पाँचू राम मौर्य अध्यक्ष बार काउन्सिल आफ उत्तर प्रदेश को पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक शुभ कामनाये व बधाइयाँ ग्रुप फोटो

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्सधारकों को बड़ी राहत दी है

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्सधारकों को बड़ी राहत दी है. अब 7 लाख रुपये तक की आमदनी पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में नया आयकर स्लैब पेश किया है. दरअसल लगातार आयकर में राहत देने की मांग की जा रही थी. यह इस सरकार का अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले आखिरी पूर्ण बजट है.दरअसल, अभी तक 5 लाख रुपये तक आमदनी पर कोई आयकर नहीं देना पड़ता था. लेकिन अब इस कैप को सरकार ने बढ़ाकर 7 लाख रुपये तक कर दिया है. नई कर व्यवस्था के तहत अब बेसिक एग्जेम्पशन लिमिट 3 लाख रुपये कर दी गई है. अब 6 टैक्स स्लैब की जगह अब 5 टैक्स स्लैब होंगे. न्यू टैक्स रीजीम में 15.5 लाख तक की इनकम पर 52500 रुपये स्टैंडर्ड डिडक्शन कर दिया गया है.

बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पद पर आज दिनांक 1 फरवरी 23 को पांचू राम मौर्य ने पद भर ग्रहण किया!

आराजीलाईन में लखपति महिला कार्यक्रम के तहत प्रदेश का पहला अधिवेशन आयोजित

वाराणसी राजातालाब, आराजीलाईन ब्लाक परिसर में मंगलवार को लखपति महिला कार्यक्रम के तहत प्रदेश का पहला अधिवेशन आयोजित हुआ जिसमें आजीविका गतिविधियों से आय अर्जित कर लखपति बनने हेतु मार्ग दर्शन दिया गया विकासखंड स्तरीय कार्यशाला में विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। उक्त कार्यशाला में स्वतरू रोजगार उपायुक्त दीलिप कुमार सोनकर, खंड विकास अधिकारी विजय जायसवाल, डीएमएम प्रदीप केसरवानी, रमेश कुमार राव, ट्रांसफार्म रूरल इंडिया के निदेशक गौरव मिश्रा, जिला प्रबंधक अजय कुमार कुशवाहा के द्वारा लखपति महिला कार्यक्रम की जानकारी दी गई एवं समझाया कि किस प्रकार से स्वयं सहायता समूह की महिलाएं सभी विभागों की योजनाओ का लाभ लेकर अपनी आजीविका को सतत् कर सकती हैं एवं आजीविका में बढ़ोत्तरी कर सकती हैं जिसमें उपस्थित सभी विभागों ने अपने विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देकर महिलाओं को कैसे इन योजनाओं से जुड़कर आजीविका गतिविधियों से आय अर्जित कर लखपति बनाया जा सकता है इस पर विस्तार से चर्चा की गई एवं उपस्थित समूह को विभागों से उपस्थित अधिकारी कर्मचारी से योजना से संबंधित प्रशिक्षण के बारे में जानकारी भी ली गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख नगीना सिंह पटेल प्रतिनिधि डा. महेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि प्रदेश का यह पहला अधिवेशन है और हमारा ब्लाक इस कार्यक्रम द्वारा माडल ब्लाक बनेगा और गाँव की स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ आने वाले दिनों में जरूर बनेंगी लखपति। इस मौके पर मिर्जा वेग, श्वेता कुमारी, रीना सिंह, शिवकुमार चौहान, मोफिद आलम, राजेंद्र यादव, अर्चना, अनिता, सोनल, रिशा, ममता, काजल, कीर्ति, शशीकला, सीमा, विद्या, प्रमिला, प्रवीन सहित सीएलएफ, ईसी, समूह सखी, आजीविका सखी, सीएफओ आदि संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल थे। अंत में उत्कृष्ट कार्य करने पर अतिथियों द्वारा समूहों को सम्मानित किया गया।

क्रियाशील जीवन का प्रथम धर्म होता है आचार का मन की सुध

आचार एवं व्यवहार जितना सुन्दर एवं भव्य होता है, वह आत्मा उतनी ही अधिक मन की शांति का अपने जीवन में अनुभव करती है। शुभ लक्ष्य की दिशा में क्रियाशील बनने वाले किसी भी जीवन का प्रथम धर्म होता है आचार। सही बात जानकर और मानकर भी जो उसे आचारण में नहीं उतारे तो वह जानना और मानना भी सार्थक नहीं बन सकता है। इसी कारण आचारण को प्रधानता दी गई है तथा उसे जीवन का प्रथम धर्म कहा गया है।

गलत आचारण तथा गलत व्यवहार से अशान्ति एवं असन्तोष की आग ही भड़कती है। बुरा व्यवहार चाहे किसी भी स्थान पर करें और ऐसे स्थान पर करें जहाँ कोई देखने वाला नहीं हो तब भी वह पापकार्य ही होता है और उस पाप को भी एक तत्व को देखता ही है। परमात्मा तो सर्वज्ञ एवं सर्वदर्शी हैं, जिनसे कोई सत्य या कोई तथ्य छिपा हुआ नहीं रहता। उनकी ज्ञानदृष्टि में सबकुछ प्रकट हो जाता है। वे देखते हैं पर तटस्थ भाव से रहते हैं। यह तो आचारण करने वाली आत्मा का कर्तव्य है कि वह परमात्मा की ज्ञानदृष्टि को सदा ध्यान में रखकर अपने आपको गलत आचारण से बचावे और यथासाध्य श्रेष्ठ आचारण में लगावे। आचारण के आदर्श रुप में अपने सामने सदा परमात्मस्वरुप को रखना चाहिए कि जो अविचल समाधि में स्थित है। उस समाधि के लिए उनहोंने अपने जीवन में किस कठोर आचार का पालन किया एवं अपने निज के अनुभव के आधार पर उन्होंने किस आचार का संसार को मार्ग बताया, आचार के उस स्वरुप को अपने जीवन में उतारना चाहिए। क्योंकि उसी आचार का पालन करके उन्होंने परमात्मस्वरुप की एवं उसकी परमसमाधि की उपलब्धि की है। इस समय प्रभु महावीर का शासन है तथा उन्होंने ऐसे आचार की देशना आचारांग सूत्र में विस्तार से व्यक्त की है। वह देशना यथासाध्य रीति से जब आत्मा के आचारण में उतरे तो उसकी वह क्रियाशीलता उसको पूर्ण समाधि की दिशा में ही अग्रसर बनाएगी।

परमात्मा पर विश्वास करना।

अपनी कर्मठता पर विश्वास करना है।।

परमात्मा पर जो विश्वास करना है, वह इस दृष्टि से नहीं कि परमात्मा आकर कुछ देंगे या कुछ करेंगे। उनकी ज्ञानदृष्टि में उन्हें सब दिखता है लेकिन उनकी चिरशान्ति में कहीं कोई व्यवधान नहीं है। इसलिए परमात्मा पर जो विश्वास करना है, वह अपनी स्वयं की कर्मठता पर विश्वास करना है कि अपनी आत्मा भी आचारण के स्वस्थ धरातल के ऊपर और ऊपर उठती हुई उसी परमात्मस्वरुप को धारण करने में समर्थ है। परमात्मा के प्रति जिसका विश्वास नहीं होता, उसका आत्मविश्वास भी सोया हुआ रहता है। उसे पापकार्य करते हुए अपनी ही अन्तःकरण की आवाज सुनाई नहीं देती तथा सदा उसकी चेष्टा अपने पाप को छिपाने की बनी रहती है। इसका बुरा असर यह होता है कि उसका अन्तर्मन एक प्रकार की तीक्ष्ण ग्लानि तथा अशान्ति से पीडित रहता है। वह ऐसे भव्य स्थान पर भी क्यों न पहुँच जाए, जहाँ परमात्मा की अमृतवाणी का विवेचन चल रहा हो वह वहाँ भी शान्ति का अनुभव नहीं करता क्योंकि उसकी आत्मा भीतर ही भीतर उसकी शान्ति को नोचती रहती है। जैसे शरीर के अन्दर पैदा होने वाला जहरीला कीडा भीतर ही भीतर नोचता रहता है और वह शरीरधारी उस वेदना को बता नहीं सकता है, वैसे ही जिसने परमात्मा के प्रति अविश्वास करके अपने आचार में जहरीला कीडा लगा लिया है, उसके उस आचार से न तो उसको शान्ति मिल सकती है, न ही उसकी कर्मठता जागृत बनी रह सकती है। जिन्होंने आत्मिक स्वरुप को नहीं पहिचान है – अपने ही अन्तःकरण का दर्शन नहीं कर पाते हैं।

परमात्मा का विश्वास अपनी ही आत्मा की विश्वास को जगाता है। एक जागृत आत्मा अपने प्रत्येक विचार एवं आचार की परख कर सकती है तथा अन्दर से आवाज दे सकती है कि वह विचार एवं आचार सही है या गलत। कल्पना करें कि एक व्यक्तति घटाटोप अंधकार वाली एक गुफा में बैठकर कोई पापकार्य करता है। वह जगह ऐसे है, जहाँ उस पापकार्य को दूसरा तो क्या, उसकी खुद की चमडे की आँखे भी देख नहीं पाती हैं। लेकिन जिसकी भीतर की आँखे थोडी – बहुत भी खुली हो, क्या उसको महसूस नहीं होगा कि वह पापकार्य उसके लिये दुःख का कारण बनेगा ? जागृत आत्मा के भीतर से तुरन्त आवाज निकलेगी कि यह पापकार्य है और उसे परमात्मा की ज्ञानदृष्टि देख रही है। जो परमात्मा की ज्ञानदृष्टि को समझ लेता है, उसकी आत्मा की ज्ञानदृष्टि भी जाग उठती है।

सम्पादकीय

यात्रा पर्यावरण और यज्ञ

26 जनवरी 2023 आज एक सामाजिक कार्य से मुझे बडौद जाना है। रास्ते में हरियाली से मन प्रफुल्लित है। जहाँ तक नजर दौड़ाइये हरा ही हरा नजर आ रहा है। हरित क्रान्ति का सपना साकार हो रहा है। बोरलॉग, और स्वामीनाथन आज स्मरण हो रहे हैं। मनकोम्बु संबासिवन स्वामिनाथन भारत के आनुवांशिक–विज्ञानी हैं, जिन्हें भारत की हरित क्रांति का जनक माना जाता है। उन्होंने 1966 में मैक्सिको के बीजों को पंजाब की घरेलू किस्मों के साथ मिश्रित करके उच्च उत्पादकता वाले गेहूं के संकर बीज विकिसित किए। नॉर्मन बोरलॉग ने खेती–बाड़ी में जो अभूतपूर्व बदलाव किए जिसे दुनिया भर में हरित क्रांति के नाम से जाना जाता है। गेहूँ की नई किस्मों पर उनके क्रांतिकारी शोध ने खासतौर से विकासशील देशों में खेती–बाड़ी का नक्शा ही बदलकर रखा दिया। उन्हें कृषि क्षेत्र में इस असाधारण क्रांति के लिए 1970 का श्नोबेल शांति पुरस्कारश भी मिला था। तो आज दोनों महानुभावों को भी याद कर रहा हूँ साथ ही गणतंत्र और स्वाधीनता दिवस स्मरण हो रहे हैं। यदि देश के नोजवानों ने आजादी की लड़ाई नहीं लड़ी होती, तो देश कैसे औपनिवेशिक ताकतों से आजाद होता और यदि डॉ. भीमराव आंबेडकर और उनके साथियों ने संविधान न बनाया होता तो, विधि का शासन कैसे लागू होता? मतलब यह है कि राष्ट्र के विकास में सबका योगदान है। मजदूर से लेकर प्रधान सेवक का।

वाहन चलाते वक्त ध्यान रोड़ पर होना ही चाहिए। मेरा भी है,पर सड़क के किनारे काले–काले डिब्बे पड़े हुए हैं। ये डिब्बे बडौद तक लगातार नजर आ रहे हैं। यानी कोटा से 50 किलोमीटर दूर तक।

ये प्लास्टिक के डिब्बे हैं और यह भोजन के पैकेट हैं, जो भोजनोपरांत फैंक दिए गए हैं। जिस भी धर्मार्थी ने राहगीरों को भोजन दान किया है, वह तो ठीक है, पर प्लास्टिक के डिब्बों में भोजन देना पाप का भागी होना है। जो पुण्य वह ऐसा भोजन न देकर कमाता, उससे अधिक वह पाप का भागी होकर कमा रहे है। हाँ यदि ऐसा किया जा रहा है, तो प्लास्टिक की जगह कागज के दोने पत्तल में यह भोजन दिया जाता तो, शायद भोजन दान दाता को स्वर्ग की प्राप्ति हो सकती थी। पर हम ये कौनसा धर्मार्थ कमा रहे हैं? जो संस्थाएँ और एन. जी. ओ. फोटो खींचकर ये कार्य कर अकूत धन कमाते हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। ये प्लास्टिक हमारी मृदा में जाकर कितना विष फैलाएगी, इसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। वैसे ही कितने रसायन हम भोजन जे साथ खा रहे हैं। पानी भी शुद्ध नहीं है। प्लास्टिक मृदा के लिए अभिशाप है और इसमें मनुष्य जाति कितना जिएगी, पता नहीं है। इतनी हरियाली को देखकर मन प्रसन्न है, पर इतनी रोजाना निकलती प्लास्टिक से मन आहत है। हम बाजार जाते हैं, हाथ हिलाते और वापसी में प्रत्येक चीज प्लास्टिक के थैलों में भरकर लाते हैं। हम सब पढ़े–लिखे तथाकथित सभ्य कितने संवेदनहीन है? एक कपड़े का थैला हमारे पास नहीं होता। सब्जियों से लेकर कपडे और अन्य खाद्य सामग्री तक प्लास्टिक या पॉलिथीन में पैक कर ले आते हैं। मानव जाति के लिए कितना उदास समय है यह। एक तरफ विश्व की सबसे बड़ी उभरती हुई शक्ति के रूप में हम जाने जा रहे हैं,दूसरी तरफ देश के सौंदर्य बोध की कितना क्षति पहुँचा रहे हैं।

यह सोचते हुए मैं अपना कार्य कर दीपसिंह कोटड़ा से लौट रहा हूँ। मेरी गाड़ी की रफ्तार 40 किलोमीटर है। आज बसन्त पंचमी है। सर्दी का समय है। पाँच बज चुके हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग से मिलते ही ताथेड़ गाँव का घुमाव आ गया है। यहाँ पर गाँव के लोग राहगीरों को रोक रहे हैं, जो गाडियाँ अधिक रफ्तार में हैं, वे तो निकल जाती हैं। पर जिनकी चाल धीमी है, उन्हें रोककर विनती पूर्वक प्रसादी ग्रहण करने का अनुरोध कर रहे हैं। मुझे भी रोक लिया गया है। देखा तो चार–पाँच सौ लोग झीम रहे हैं। डोबे भरकर नुक्ती रख रहे हैं। पूड़ी सब्जी की महक दूर तक जा रही है। कागज के पत्तल दोनों में भोजन करवाया जा रहा है। बढ़िया व्यवस्था है। आहा आनन्द आ रहा है। मैंने चार पूड़ी और एक डोबा नुक्ती खा ली है। पानी पीकर ज्यों ही बाहर आया तो, एक मित्र ने मुझे पहचान लिया। वह व्यवस्था में लगा हुआ था। उसने कहा बहुत दिनों बाद मिले हो मित्र। उसने अपने दूसरे साथी को आवाज लगाई अरे सुनो! साहब के लिए एक पत्तल में प्रसाद ले आओ। मैंने कहा कि मैं ले चुका हूँ मित्र। उसने कहा अरे भाई यह तो जग का प्रसाद है, अपने मोहल्ले में बाँट देना। प्रसाद जितना बंटे, उतना अच्छा। मैंने मनाही की, लेकिन उसके आग्रह को कैसे टाला जाता भला। वहाँ पर कई लोगों को ऐसे प्रसाद बांटा जा रहा था। हम दोनों मित्रों ने सुख दुख और परिवार की बातें की और उससे दुबारा मिलने के वादे के साथ विदा ली।

आज जग (यज्ञ की पूर्णाहुति के समय का प्रसाद) के प्रसाद की मिठास मन और मस्तिष्क में बह रही है। आज की सामाजिक और सांस्कृतिक यात्रा का पड़ाव समाप्त हुआ। आज 74 वें गणतंत्र की नुक्ती सवेरे खायी थी और आज के दिन की पूर्णाहुति भी मीठे प्रसादी के साथ हुई, इसलिए आज की जय–जय।

सहनशक्ति को पराजित करना असंभव है

बड़े बुजुर्गों ने सच ही कहा है कि आसमान की बुलंदियों को छूना है तो खुद पर काबू करना सीखें, जो काम संयम और समझदारी से हो सकता है, शायद?,, आप उसे किसी दूसरे तरीके से नहीं कर सकते, बड़े–बड़े राजा–महाराज अपने घमंड, और क्रोध से ही धराशाई हो गए, इंसान कागज के चंद नोटों से अपनी औकात भूल जाता है, उसे लगता है कि पैसा ही सब कुछ है और पैसे के घमंड में इंसान जिसे खुदा ने पैदा किया उस खुदा को भी भूल जाता है। इंसानों को चाहिए कि वो अपने घमंड, ईर्ष्या, दुर्व्यवहार, को त्यागकर एक संयम,नर्मदिल, सरलस्वभाव, और क्रोधमुक्त बनने की कोशिश करनी चाहिए ताकि किसी भी छेत्र में उसे कोई भी पराजित न कर सके,सहन शक्ति को पराजित करना असंभव है। संसार में इतने सारे जीव जन्तु को खुदा ने पैदा किया है, परंतु हम इंसानों को ही खुदा ने सर्वश्रेष्ठ बनाया है, एक इंसान होने के नाते हर किसी को इंसानियत का ख्याल रखना चाहिए।

मन की बात आखिर कितनी सार्थक सिद्ध साबित हो रही भारत में

आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा कही जा रही है मन की बात । हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी मन की बात के द्वारा समय–समय पर भारत की जनता से संपर्क करते हैं उनके सामने राजनैतिक एवं भारत की विकास एवं उन्नति के लिए किए जा रहे कार्य के विषय पर चर्चा अवश्य करते हैं। इसके अंतर्गत वे अपने अनुभव भी साझा करते हैं,इस बार गणतंत्र दिवस के बाद ष्मन की बात ष कार्यक्रम के अंतर्गत माननीय मोदी जी ने हमारे भारत के कई राज्यों की संस्कृति से जुड़ी हुई लोक मान्यताओं के विषय में भी चर्चा की,ताकि हमारे भारत की विलुप्त होती विरासत सम्यता संस्कृति के बारे में भी लोग जाने और समझे कि भारत एक विशाल प्रगतिशील देश है। गणतंत्र दिवस के दिन दिल्ली परेड स्थल पर झांकी के कार्यक्रम में कई राज्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपनी अपनी लोक संस्कृति के अनुसार झांकी प्रदर्शन भी किया।बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत भारत की कर्मठ महिलाओं को भी झांकी में सम्मान दिया गया इसके साथ साथ भारत के गौरव का प्रदर्शन भी किया गया ।जिसकी हमारी तीनों सेनाओं के द्वारा बेहतरीन प्रस्तुति दी गई।

मोदी जी ने परेड के दौरान निकाली जाने वाली झांकियो की तैयारियां व मिलने वाले पुरुस्कारों की भी चर्चा की । कई राजनीतिक गतिविधियों के साथ उनके द्वारा होने वाले फायदे और नुकसान पर भी चर्चा की । हमारे मोदी जी समय–समय पर मन की बात करके वे भारत के लोगों के बीच अपनी एक अलग ही भूमिका बना चुके हैं विदेशों में भी मन की कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ देखा जाता है। आदरणीय मोदी जी के द्वारा प्रसारित कार्यक्रम मन की बात को देखने की घोषणा पहले से ही कर दी जाती है। सभी को इस कार्यक्रम का इंतजार रहता है। पक्ष हो या विपक्ष सभी लोग ध ैर्य पूर्वक मोदी जी की बातों पर गौर करते हैं और संयम से रखते हुए सभी यह समझते हैं की भारत का संविधान का सभी बहुत आदर करते है , यह हमारे देश की समृद्धि और लोकतंत्र की मजबूत होने का कारण है । भारत की आज प्रगतिशील देशों में गणना होना ही हमारे लिए गौरव की बात हैं।

हालांकि इस समय भारत सरकार द्वारा कई सारे निर्णय लिए गए जिनमें से कुछ माननीय हुए और कुछ अमान्य फलित हुए परंतु फिर भी आज भारत जिस प्रगति की ओर बढ़ रहा है वह देखते ही बनता है। जम्मू काश्मीर के लाल चौक पर अब तिरंगे का सम्मान पूर्वक फहराया जाना भी कही न कही हमारे लिए स्वर्णिम रहा। हमारे आदरणीय मोदी जी की मेहनत व उनकी टीम के योगदान स्पष्ट दिखाई दे रहा है।भारत की प्रगति के लिए वह जो भी काम करते हैं उसका हमारे मोदी जी जिक्र हमारे मन की बात कार्यक्रम के द्वारा समय–समय पर प्रकाश डालते रहते हैं। आदरणीय मोदी जी के मन की बात भारत में सार्थक होती नजर आ रही है।

हमारी न्याय व्यवस्था पर बीबीसी का प्रहार

गुजरात दंगे को लेकर यूनाइटेड किंगडम के राष्ट्रीय प्रसारकक् बीबीसी के वृत्तचित्र को किस श्रेणी में रखेंगे? क्या इसे पत्रकारिता कहेंगे या फिर भारत के प्रति घृणा? इस घटनाक्रम में भारत सरकार की जो प्रतिक्रिया आई है, उस पर अलग से चर्चा हो सकती है। यह पहली बार नहीं, जब वामपंथ केंद्रित बीबीसी ने कोई भारत–विरोधी रिपोर्ट या वृत्तचित्र तैयार की हो और भारत सरकार ने उस पर प्रतिबंध लगाया हो। वर्ष 1968–71 में तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा बीबीसी पर लगाई पाबंदीक् इसका प्रमाण है। स्वयं ब्रितानी सरकारों–राजनीतिज्ञों (मारग्रेट थैचर सहित) के साथ भी बीबीसी का पुराना विवाद रहा है। इस पृष्ठभूमि में जिस प्रकार बीबीसी ने 20 वर्ष पुराने प्रकरण पर विकृत रिपोर्ट पेश की है, वह उस औपनिवेशिक ब्रितानी अधिष्ठान से प्रेरित है, जिसने 19वीं शताब्दी में कमजोर कड़ियों को ढूंढकर कालांतर में वामपंथियों और जिहादियों के साथ मिलकर भारत का रक्तरंजित विभाजन कर पाकिस्तान को जन्म दिया। यही वैचारिक तिकड़ी–सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से खंडित भारत को फिर से टुकड़े–टुकड़े में तोड़ने का प्रयास कर रही है।

पहली बातकृवर्ष 2002 का गुजरात दंगा न तो भारत की पहली सांप्रदायिक हिंसा थी, न आखिरी। बीबीसी अपनी 101वीं वर्षगांठ में प्रवेश कर गया है और इस दौरान देश के भीतर खिलाफत आंदोलन (1919–24) प्रदत्त मोपला–कोहाट नरसंहार, खूनी श्कलकत्ता डायरेक्ट ऐक्शन डेश से लेकर रांची–हटिया (1967), मुरादाबाद (1980), मेरठ (1987), भागलपुर (1989), मुंबई (1993), मऊ (2005), कंधमाल (2007–08), असम (2012), मुजफ्फरनगर (2013), दिल्ली (2019–20) और उदयपुर–अमरावती हत्याकांड (2022) जैसे असंख्य सांप्रदायिक प्रकरण सामने आए हैं। आखिर बीबीसी और उसकी हालिया रिपोर्ट का समर्थन करने वाले केवल एक दंगे पर ही क्यों अटके हैं?

बीबीसी के वृत्तचित्र में दंगे का तो उल्लेख है, किंतु उसने इसमें कुटिलता के साथ उस नृशंस गोधरा कांड को गौण कर दिया, जो वास्तव मेंकृ इस पूरे घटनाक्रम का केंद्रबिंदु था। 27 फरवरी, 2002 को अयोध्या से ट्रेन में लौट रहे 59 कारसेवकों को मजहबी भीड़ ने जीवित जलाकर मार दिया था, जिसमें अदालती सुनवाई के बाद हाजी बिल्ला, रज्जाक कुरकुर सहित 31 दोषी ठहराए गए थे। स्पष्ट है कि दंगे पर बीबीसी की एकपक्षीय रिपोर्टकृ पत्रकारिता तो बिल्कुल भी नहीं है। बीबीसी ने अपनी प्रस्तुति में भारत के तथाकथित सेक्यूलरों, जिहादियों और इंजीलवादियों के उन्हीं मिथ्या प्रचारों को दोहराया है, जिसे भारतीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने न केवल 2012 में सिरे से निरस्त कर दिया, अपितु कालांतर में इस निर्णय के खिलाफ दाखिल याचिका को भी स्वयं शीर्ष अदालत ने कड़े शब्दों के साथ 24 जून, 2022 को रद्द कर दिया था। इस प्रकरण को देखकर मुझे वामपंथी श्लेखिकाश अरुंधति रॉय के दो दशक पुराने उस आलेख का स्मरण होता है, जिसे उन्होंने एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी समाचार पत्रिका के लिए लिखा था। उसमें अरुंधति ने दावा किया था कि जाफरी की बेटी को निर्वस्त्र कर जीवित जला दिया गया था। जबकि जाफरी की बेटी तब अमेरिका में सकुशल थी। इसके लिए अरुंधति को माफी मांगनी पड़ी थी। तब अरुंधति के साथ तीस्ता सीतलवाड़ जैसी स्वयंभू सेक्यूलरों ने विकृत विमर्श के बल पर गुजरात दंगे को ऐसे परोसा, जैसे स्वतंत्र भारत ही नहीं, अपितु विदेशी इस्लामी आक्रांताओं के जिहादी कालखंड के बाद पहली बार हिंदू–मुस्लिमों के बीच कोई दंगा हुआ था। अहमदाबाद में यह हिंसा उन सांप्रदायिक दंगों की लंबी और दुर्भाग्यपूर्ण श्रृंखला में एक है, जिसका पहला मामला 1714 में मुगलकाल के दौरान होली के दिन सामने आया था, तो 1993 तक अहमदाबाद ऐसे ही 10 बड़े दंगों का साक्षी बन गया। न तो भाजपा, आरएसएस, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद 1714 में अस्तित्व में थे, न ही वर्ष 1969–1985 में हुए सांप्रदायिक दंगों के समय सत्ता के केंद्र में। अरुंधति–तीस्ता जैसों के भारत–हिंदू विरोधी चिंतन को बीबीसी भी अपनी श्व्हाइट मैन बर्डनश मानसिकता के कारण अंगीकार किए हुए है।

बहुत मुशिकल होता है जिन्दगी को ईमानदारी से जीना

जिंदगी गुजरना अलग बात है और उसे ईमानदारी से जीना अपने फर्ज की निभाते बहुत बहुत मुशिकल होता है मुझे ले मे अपने पिता का इस उम्र में भी फर्ज निभाने में लगा हूँ जब बेटे पिता का ध्यान रखते है फिर दादा और नाना फिर बच्चों की माँ नहीं रही तो उनकी माँ बन कर भी जीना पड़ता है जो कितना मुश्किल होता है बच्चें कुछ भी करें गलत माँ बन कर उन्हे प्यार से कहना पड़ता है अब मत करना बेटा फिर भी वो करता है कुछ ऐसा जो आपको अच्छा नहीं लगता तो कोई बात नहीं आपको सदा माँ बन उसको कहते रहना अब मत करना चलों यहाँ तक भी चलेगा मुश्किल होता है खुद का प्रतिदिन स्वच्छ और स्वस्थ रहना यह इस उम्र में बहुत बहुत मुशिकल होता है जब उम्र ६५ उपर चल रही हो पर आपको आपका धान्य रखना ही है प्रतिदिन बच्चों की खुशी के लिए उनका सम्मान के साथ धान्य रखना है वो आपको कितना प्यार सम्मान देते छोड आपको आपका फर्ज निभाने रहना होगा और अपना धान्य रखते कितना खाना, कितना सोना क्या खाना कितना धुमना क्या बोलना कैसे बोलना आदि आदि क्यों कि आप एक पिता की, दादा की ससुर की, नाना की जिन्दगी को ईमानदारी से जी रहे है पुरा पुरा पालन करते और इस सब के सोच कितना मुश्किल होता होगा उस पिता के लिए जो यह सब करते जी रहा होगा हाँ अब मैने यह छोड़ दिया कौन नाराज है कौन खुश है आदि फोन पर बाते सालों से बन्द कर रखी है टी वी देखे सुने सालों हो गये समय ही नहीं मिलता की ये व्यर्थ का कार्य करने का जिसका कोई सुखद परिणाम नहीं होता है पर में देखता हूँ आज की कलयुग की दुनिया को जिनके पास समय ही समय जो प्रतिदिन धन्टों फोन और टी वी पर अपना कीमती समय कुछ करने की बजाय देते है खुद के लिए जीते हैं खेर अंत यही कहना चाहता हूँ इंसान को खुद के लिए जीने के साथ और के लिए भी जीना आना चाहिए सीखना चाहिए यही मानव धर्म जीवन है जो आज शून्य है काश कोई इस आलेख को पड़ कुछ भी थोड़ा ही बहुत ही अच्छा करे जीवन में और के लिए भी परिवार के लिए भी और मानवता के लिए भी कुछ समय दे प्रतिदिन अपने समय से यही असली सुख चौन और आनन्द है केवल महसूस करने की जरूरत है।

क्रियाशील जीवन का प्रथम धर्म होता है आचार का मन की सुध

आचार एवं व्यवहार जितना सुन्दर एवं भव्य होता है, वह आत्मा उतनी ही अधिक मन की शांति का अपने जीवन में अनुभव करती है। शुभ लक्ष्य की दिशा में क्रियाशील बनने वाले किसी भी जीवन का प्रथम धर्म होता है आचार। सही बात जानकर और मानकर भी जो उसे आचारण में नहीं उतारे तो वह जानना और मानना भी सार्थक नहीं बन सकता है। इसी कारण आचारण को प्रधानता दी गई है तथा उसे जीवन का प्रथम धर्म कहा गया है।

गलत आचारण तथा गलत व्यवहार से अशान्ति एवं असन्तोष की आग ही भडकती है। बुरा व्यवहार चाहे किसी भी स्थान पर करें और ऐसे स्थान पर करें जहाँ कोई देखने वाला नहीं हो तब भी वह पापकार्य ही होता है और उस पाप को भी एक तत्व को देखता ही है। परमात्मा तो सर्वज्ञ एवं सर्वदर्शी हैं, जिनसे कोई सत्य या कोई तथ्य छिपा हुआ नहीं रहता। उनकी ज्ञानदृष्टि में सबकुछ प्रकट हो जाता है। वे देखते हैं पर तटस्थ भाव से रहते हैं। यह तो आचारण करने वाली आत्मा का कर्त्तव्य है कि वह परमात्मा की ज्ञानदृष्टि को सदा ध्यान में रखकर अपने आपको गलत आचारण से बचावे और यथासाध्य श्रेष्ठ आचारण में लगावे। आचारण के आदर्श रुप में अपने सामने सदा परमात्मस्वरुप को रखना चाहिए कि जो अविचल समाधि में स्थित है। उस समाधि के लिए उनहोंने अपने जीवन में किस कठोर आचार का पालन किया एवं अपने निज के अनुभव के आधार पर उन्होंने किस आचार का संसार को मार्ग बताया, आचार के उस स्वरुप को अपने जीवन में उतारना चाहिए। क्योंकि उसी आचार का पालन करके उन्होंने परमात्मस्वरुप की एवं उसकी परमसमाधि की उपलब्धि की है। इस समय प्रभु महावीर का शासन है तथा उन्होंने ऐसे आचार की देशना आचारांग सूत्र में विस्तार से व्यक्त की है। वह देशना यथासाध्य रीति से जब आत्मा के आचारण में उतरे तो उसकी वह क्रियाशीलता उसको पूर्ण समाधि की दिशा में ही अग्रसर बनाएगी।

परमात्मा पर विश्वास करना। अपनी कर्मठता पर विश्वास करना है।

परमात्मा पर जो विश्वास करना है, वह इस दृष्टि से नहीं कि परमात्मा आकर कुछ देंगे या कुछ करेंगे। उनकी ज्ञानदृष्टि में उन्हें सब दिखता है लेकिन उनकी चिरशान्ति में कहीं कोई व्यवधान नहीं है।

इसलिए परमात्मा पर जो विश्वास करना है, वह अपनी स्वयं की कर्मठता पर विश्वास करना है कि अपनी आत्मा भी आचारण के स्वस्थ धरातल के ऊपर और ऊपर उठती हुई उसी परमात्मस्वरुप को धारण करने में समर्थ है। परमात्मा के प्रति जिसका विश्वास नहीं होता, उसका आत्मविश्वास भी सोया हुआ रहता है। उसे पापकार्य करते हुए अपनी ही अन्तः करण की आवाज सुनाई नहीं देती तथा सदा उसकी चेष्टा अपने पाप को छिपाने की बनी रहती है। इसका बुरा असर यह होता है कि उसका अन्तर्मन एक प्रकार की तीक्ष्ण ग्लानि तथा अशान्ति से पीडित रहता है। वह ऐसे भव्य स्थान पर भी क्यों न पहुँच जाए, जहाँ परमात्मा की अमृतवाणी का विवेचन चल रहा हो वह वहाँ भी शान्ति का अनुभव नहीं करता क्योंकि उसकी आत्मा भीतर ही भीतर उसकी शान्ति को नोचती रहती है। जैसे शरीर के अन्दर पैदा होने वाला जहरीला कीडा भीतर ही भीतर नोचता रहता है और वह शरीरधारी उस वेदना को बता नहीं सकता है, वैसे ही जिसने परमात्मा के प्रति अविश्वास करके अपने आचार में जहरीला कीडा लगा लिया है, उसके उस आचार से न तो उसको शान्ति मिल सकती है, न ही उसकी कर्मठता जागृत बनी रह सकती है। जिन्होंने आत्मिक स्वरुप को नहीं पहिचान है – अपने ही अन्तःकरण का दर्शन नहीं कर पाते हैं।

परमात्मा का विश्वास अपनी ही आत्मा की विश्वास को जगाता है। एक जागृत आत्मा अपने प्रत्येक विचार एवं आचार की परख कर सकती है तथा अन्दर से आवाज दे सकती है कि वह विचार एवं आचार सही है या गलत। कल्पना करें कि एक व्यक्तति घटाटोप अंधकार वाली एक गुफा में बैठकर कोई पापकार्य करता है। वह जगह ऐसे है, जहाँ उस पापकार्य को दूसरा तो क्या, उसकी खुद की चमडे की आँखे भी देख नहीं पाती हैं। लेकिन जिसकी भीतर की आँखे थोडी – बहुत भी खुली हो, क्या उसको महसूस नहीं होगा कि वह पापकार्य उसके लिये दुःख का कारण बनेगा ? जागृत आत्मा के भीतर से तुरन्त आवाज निकलेगी कि यह पापकार्य है और उसे परमात्मा की ज्ञानदृष्टि देख रही है। जो परमात्मा की ज्ञानदृष्टि को समझ लेता है, उसकी आत्मा की ज्ञानदृष्टि भी जाग उठती है।

शब्दाक्षर पत्रिका का लोकार्पण संपन्न

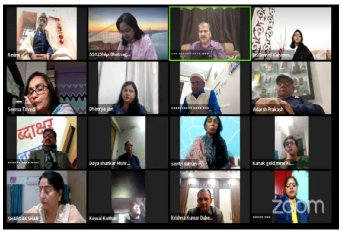

कोलकाता सोमवार की शाम शब्दाक्षर केंद्रीय पेज फेसबुक पटल से जुड़ कर शब्दाक्षर के 25 राज्यों के 40 पदाधिकारियों ने शब्दाक्षर पत्रिका के जनवरी–मार्च 2023 अंक का भव्य लोकार्पण सम्पन्न किया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में शब्दाक्षर के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दयाशंकर मिश्रा तथा लोकार्पण विभूति के रूप में शब्दाक्षर प्रदेश अध्यक्ष बिहार मनोज कुमार मिश्रा उपस्थित थे। लोकार्पण पश्चात पत्रिका समिति के पदाधिकारियों ने पटल पर अपने विचार रखे। विचार रखने वाले पदाधिकारियों में प्रधान संपादक व शब्दाक्षर के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह, संपादक डॉ.आदर्श प्रकाश, सह संपादक सत्येंद्र सिंह सत्य, उप संपादक महावीर सिंह श्वीरश, संयुक्त संपादक ज्योति नारायण, समन्वयक केवल कोठारी व प्रूफ रीडर डॉ स्मृति कुलश्रेष्ठ शामिल थे। सभी वक्ताओं ने पत्रिका के विविध पहलुओं पर दृष्टिपात करते हुए शब्दाक्षर पत्रिका को एक आदर्श पत्रिका बताया। प्रधान संपादक रवि प्रताप सिंह ने पटल पर देश भर से जुड़े पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शब्दाक्षर पत्रिका में सिर्फ शब्दाक्षर से जुड़े रचनाकारों की ही रचनाएं समाहित की जाती हैं। इस पत्रिका की शुरुआत तीन वर्ष पूर्व पीडीएफ प्रारूप से हुई थी किंतु आज यह पत्रिका देश भर में कागज में छप कर प्रिंट में शब्दाक्षर सदस्यों के घर–घर तक पहुंच रही है। लोकार्पण सत्र के पश्चात काव्य–सत्र का आयोजन हुआ। काव्य सत्र में काव्य पाठ करने वालों में उपरोक्त नामों के अतिरिक्त कृष्ण कुमार दूबे, डॉ.कनक लता तिवारी, सीमा त्रिवेदी, बिट्टू जैन, शिल्पी भटनागर, रंजना लता, सावित्री सुमन आदि शामिल थे। लोकार्पण सत्र का संचालन ज्योति नारायण ने तथा काव्य–सत्र का संचालन डॉ स्मृति कुलश्रेष्ठ ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शब्दाक्षर महाराष्ट्र की उपाध्यक्ष बिट्टू जैन ने ज्ञापित किया।

हाथसेहाथऋजोड़ो अभियान की सुरुआत सेमरिया विधानसभा के कचूर गाँव से पद यात्रा की गई

रीवा,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आवाहन व मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आदरणीय श्री कमलनाथ जी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी की अगुआई मे सेमरियाऋविधानसभा क्षेत्र के ब्लाक कांग्रेस कमेटी बनकुईयाँ द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे
सेमरिया विधानसभा से कांग्रेस पार्टी के लोकप्रिय नेता आदरणीय श्री गजेंद्र दुबे जी, कांग्रेस नेता श्री लालमणि पाण्डेय जी, सूर्यबली पांडे जी, की उपस्थिती में ष्हाथ से हाथ जोड़ो अभियान कार्यक्रम बनकुईया ब्लॉक के ग्राम कचूर में पदयात्रा के साथ किया गया ,
जिसमें आदरणीय श्री गजेंद्र दुबे जी के द्वारा श्री राम जानकी मंदिर में भगवान जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किए तथा गांव की गलियों गलियों में जनता जनार्दन के बीच पहुंचकर आदरणीय श्री कमलनाथ जी के 15 महीनों की सरकार का वर्णन किए एवं निवेदन करते हुए कहा कि आने वाले समय में आदरणीय श्री कमलनाथ जी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाएं और कांग्रेस पार्टी को अपना आशीर्वाद प्रदान करें।
कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडलम अध्यक्ष पूर्व सरपंच नारेंद्र सिंह , जिला सचिव धर्मेंद्र मिश्रा ,सेक्टर अध्यक्ष मनमोहन दिवेदी भोला प्यासी सदानंद तिवारी धीरज द्विवेदी पुनीत नामदेव एवं तमाम कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

पुलिस प्रशासन और आमजन के बीच बनाया जा रहा है सौहार्दपूर्ण वातावरण एस एस भोरिया

पुलिस अधीक्षक ने ली पीस कमेटी की बैठक, पुलिस और आमजन के सहयोग से लगेगा अपराधो पर अंकुश। कुरुक्षेत्र पुलिस अधीक्षक श्री सुरेन्द्र सिंह भोरिया ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा आमजन के साथ मिलकर समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य के लिए राज्य सरकार के आदेशानुसार जिला व थाना स्तर पर पीस कमेटियों का गठन किया गया है, इस कमेटी में समाज के गणमान्य और सक्रिय लोगों को शामिल किया गया है। इस कमेटी के माध्यम से आमजन की परेशानियों को कम करने का प्रयास किया जा रहा है।
पुलिस अधीक्षक मंगलवार को अपने कार्यालय में शांति कमेटी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों और अपराधों पर अंकुश लगाना बहुत जरुरी है। पुलिस विभाग जिला की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं व आमजन के साथ मिलकर सांझे अभियान चला रही है। पुलिस आमजन को अपराधों व कानून की जानकारी के प्रति जागरूक कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस और आमजन के बीच में परस्पर सहयोग बना रहे, जरुरत पडने पर आमजन की बात सही समय पर जिला प्रशासन को पता लग सके और समय सीमा के अंदर समस्या का समाधान हो सके। इसके लिए जिला व थाना स्तर पर शांति कमेटी का गठन किया गया है। गृह मंत्री हरियाणा सरकार के आदेशानुसार पुलिस प्रशासन के साथ आमजन के तालमेल बनाने के उद्देश्य से शांति समिति बनाई गई है। कमेटी के सदस्यों को अपने आस–पास किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि का पता चलता है तो उसकी सूचना तुरन्त पुलिस को दें। बैठक में साईबर अपराधों के बारे में भी जानकारी दी गई।शांति समिति के सदस्यों को पुलिस का सहयोग करने के लिए अपील की।
पुलिस अधीक्षक ने शांति समिति के सदस्यों में साईबर अपराधों की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि शांति समिति के सदस्य साईबर अपराधों के प्रति अपने आस–पास के एरिया में लोगों को जागरुक करें । साईबर जागरुकता के तहत पुलिस प्रशासन द्वारा साईबर जागरुकता की मुहिम में अपना योगदान दें ताकि आमजन को ठगी का शिकार होने से बचाया जा सके । उन्होंने साईबर क्राइम की जानकारी के लिए 1930 टोल फ्री नम्बर व 112 पुलिस हैल्प लाइन नम्बर की भी जानकारी दी। उन्होंने नववर्ष 2023 में शांति समिति के सदस्यों को पुलिस का सहयोग करने के लिए अपील की । उन्होंने शांति समिति बनाने का उद्देश्य यह है कि प्रशासन और आमजन के बीच जो फासला कभी कभार पूरा नहीं हो पाता है, उस फासले को खत्म किया जा सके तथा उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा सके। शांति समिति के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक को विश्वास दिलवाया कि जरुरत पड़ने पर शांति समिति द्वारा पुलिस प्रशासन की हर सम्भव सहायता की जायेगी । पुलिस अधीक्षक ने शांति समिति के सदस्यों से नशा तथा अन्य अपराधों की सूचना देने की भी अपील की है। शांति समिति के सदस्यों ने पुलिस प्रशासन का भरपूर सहयोग देने का आशवासन दिया ।
इस मौका पर उप पुलिस अधीक्षक यातायात नायब सिंह, रीडर पुलिस अधीक्षक सुनील वत्स व शांति समिति सदस्य राजकुमार वासी लाडवा, देशराज वासी लाडवा, निशान सिंह वासी जुरासीखुर्द, राम चन्द्र वासी इन्दबडी, सुभाष वासी रामगढ पेहवा, विकास तंवर वासी लुखी, विकास सिधु वासी गुमटी शाहबाद, सोमदत्त गुप्ता वासी सैक्टर–13 कुरुक्षेत्र, सुशील राणा सैक्टर–05 कुरुक्षेत्र, ओमबीर वासी बुढा, वरुण अत्री वासी पेहवा आदि मौजूद रहे।

जनकपुर ने राम नगरी अयोध्या को भेजी सौगात, तो क्या कलयुग में भी ताजा होंगे त्रेता युग के संबंध

अयोध्या अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन धर्म नगरी अयोध्या में त्रेता युग का जनकपुर और आज का नेपाल, जहां से रामलला की मूर्ति बनाने के लिए पत्थर आ रहे हैं. ये पत्थर दो फरवरी को अयोध्या पहुंचेंगे. इन पत्थरों से मूर्ति बनेगी या नहीं यह तो अभी तय नहीं, लेकिन यदि मूर्ति इन्हीं पत्थरों से बनती है तो एक बार फिर त्रेता युग का संबंध कलयुग में जी उठेगा. जनक दुलारी सीता की नगरी नेपाल और भगवान राम की नगरी अयोध्या का रिश्ता तो त्रेता युग से जगजाहिर है. त्रेता युग में जनकपुर (वर्तमान में नेपाल) से माता जानकी अयोध्या आई थीं. अब कलयुग में माता जानकी की नगरी से भगवान राम की प्रतिमा के लिए शालिग्राम पत्थर लाए जा रहे हैं. 2 फरवरी को ये पत्थर अयोध्या पहुंचेंगे.वहीं, इन पत्थरों से रामलला की मूर्ति बनेगी या नहीं इस पर अभी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट विचार कर रहा है. लेकिन, अगर इन्हीं पत्थरों से मूर्ति बनती है तो एक बार फिर अयोध्या और जनकपुर का संबंध ताजा हो जाएगा. हालांकि, नेपाल की गंडकी नदी के शालिग्राम पत्थरों को दो ट्रकों से अयोध्या लाया जा रहा है. रास्ते में जहां जगह–जगह इन पत्थरों की रामभक्त पूजा कर रहे हैं.नेपाल ने सौगात के रूप में दिए पत्थरश्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इस बारे में बताया कि नेपाल की काली गंडकी नदी से पत्थर लाया जा रहा है. यह पत्थर खरीदा नहीं गया है, बल्कि नेपाल के संतों ने कहा हम अयोध्या को यह पत्थर सौगात में देना चाहते हैं. बताया, कभी जनकपुर ने माता जानकी को प्रभु श्रीराम को सौंपा था, अब दहेज के रूप में यह सौगात दी जा रही है. साथ ही, चंपत राय ने बताया कि जनकपुर के जानकी मंदिर के महंत राम तपेश्वर महाराज ने नेपाल सरकार से इस पत्थर को अयोध्या भेजने का निवेदन किया था, जिसे नेपाल सरकार ने स्वीकार कर लिया. सरकार ने गंडकी नदी से पत्थर उठाया और जानकी मंदिर के महंत को सौंप दिया. अब जानकी मंदिर के महंत उस पत्थर को अयोध्या के संतों को भेंट करेंगे.मूर्तिकार तय करेंगे पत्थर का क्या होगाट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि जब पत्थर अयोध्या पहुंचेगा और मूर्तिकारों को दिखाया जाएगा, तब वे ही बताएंगे कि इस पत्थर को तराशा जा सकता है या नहीं. उसके बाद ही बात आगे बढ़ेगी. चंपत राय ने बताया कि भारत में कहां–कहां इस प्रकार के पत्थर उपलब्ध हैं, वे सभी पत्थर मंगाए जा रहे हैं. ऐसा जरूरी नहीं है कि जिस पत्थर को एक बार लेकर आएं, उसी पत्थर से रामलला की मूर्ति बनाई जाएश्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इस बारे में बताया कि नेपाल की काली गंडकी नदी से पत्थर लाया जा रहा है. यह पत्थर खरीदा नहीं गया है, बल्कि नेपाल के संतों ने कहा हम अयोध्या को यह पत्थर सौगात में देना चाहते हैं. बताया, कभी जनकपुर ने माता जानकी को प्रभु श्रीराम को सौंपा था, अब दहेज के रूप में यह सौगात दी जा रही है. साथ ही, चंपत राय ने बताया कि जनकपुर के जानकी मंदिर के महंत राम तपेश्वर महाराज ने नेपाल सरकार से इस पत्थर को अयोध्या भेजने का निवेदन किया था, जिसे नेपाल सरकार ने स्वीकार कर लिया. सरकार ने गंडकी नदी से पत्थर उठाया और जानकी मंदिर के महंत को सौंप दिया. अब जानकी मंदिर के महंत उस पत्थर को अयोध्या के संतों को भेंट करेंगे.मूर्तिकार तय करेंगे पत्थर का क्या होगाट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि जब पत्थर अयोध्या पहुंचेगा और मूर्तिकारों को दिखाया जाएगा, तब वे ही बताएंगे कि इस पत्थर को तराशा जा सकता है या नहीं. उसके बाद ही बात आगे बढ़ेगी. चंपत राय ने बताया कि भारत में कहां–कहां इस प्रकार के पत्थर उपलब्ध हैं, वे सभी पत्थर मंगाए जा रहे हैं. ऐसा जरूरी नहीं है कि जिस पत्थर को एक बार लेकर आएं, उसी पत्थर से रामलला की मूर्ति बनाई जाए !

रायपुर ब्लॉक उपाध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद मिश्रा एवं महेंद्र पटेल के नेतृत्व में सैकड़ों किसान पहुंचे रायपुर एसडीएम कार्यालय

गुढ विधानसभा अंतर्गत रायपुर जनपद के उमरी पंचायत में सुमर के वजह से मसूर की खेती हो रही चौपट को रोकने के लिए दीया गया आवेदन प्रशासन द्वारा 2 दिन के अंदर उमरी पंचायत के किसानों की खेती बर्बाद होने से नहीं रोकी गई तो बीएसएस प्रमुख उमेश पिडिहा उमरी पंचायत के समस्त किसानों के साथ बैठेंगे धरने पर गुढ विधानसभा अंतर्गत रायपुर जनपद के उमरी पंचायत में इन दिनों सुमर के वजह से किसानों की फसल चौपट हो रही है । जिससे किसानों का भारी नुकसान हो रहा है। ऐसे में कई किसान भारतीय सर्व सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उमेश पिडिहा से मदद की गुहार लगाया है। किसानों की समस्याओं को देखते हुए उमेश पिडिहा द्वारा संबंधित अधिकारियों से बात करते हुए समस्याओं का निराकरण करने के लिए अवगत कराया गया था कुछ दिन पहले रायपुर थाना से कई अधिकारी भी स्थल पर पहुंचे थे लेकिन बिना निराकरण के वापस आ गए। किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उमेश पिडिहा द्वारा संगठन के रायपुर ब्लॉक उपाध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद मिश्रा एवं संगठन के सदस्य महेंद्र पटेल को सूचित करते हुए उमरी पंचायत के समस्त किसानों को लेकर रायपुर एसडीएम के पास जाने के लिए निर्देशित किया था जिसको देखते हुए संगठन के रायपुर ब्लॉक उपाध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद मिश्रा एवं संगठन के सदस्य महेंद्र पटेल के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में किसान भाई रायपुर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर समस्याओं से अवगत कराया गया । किसानों का कहना है कि बड़ी संख्या में सुमरी द्वारा मसूर की फसल को सफाचट कर रही किसानों का कहना है कि कई बार शासन प्रशासन को अवगत कराया गया लेकिन प्रशासन द्वारा किसानों की फसल के बचाव को लेकर कोई कदम नहीं उठाया !! किसानों की ज्ञापन देने के बाद रायपुर एसडीएम द्वारा भारतीय सर्व सेवा संगठन एवं समस्त किसानों को जल्द से जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।। वही भारती सर्व सेवा संगठन के अध्यक्ष उमेश पिडिहा ने कहा है कि अगर प्रशासन द्वारा जल्द से जल्द किसानों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया जाता है तो ऐसी स्थिति में मैं उमरी पंचायत के समस्त किसान भाइयों के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने का कार्य करूंगा । रायपुर एसडीएम मोहोदय को आवेदन देने में मौजूद रहे उमरी पंचायत के किसान – त्रिवेणी प्रसाद मिश्रा,अच्छेलाल पटेल, मुनेंद्र पटेल, शरद अग्निहोत्री, महेंद्र पटेल, द्वारिका यादव, रजनीश साकेत, कृष्ण कुमार, उमेश कुमार, अंकित पटेल, संदीप सेन, नीरज सोनी, विपिन प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद पटेल, राजेंद्र विश्वकर्मा, बाबूलाल पटेल, तुलसी कॉल, श्रीकांत विश्वकर्मा, शिव शंकर कुमार, गोमती प्रसाद पटेल, कालू प्रसाद पटेल, जगदीश प्रसाद, शशिधर सोनी, जानकी प्रसाद सोनी, दुर्गा प्रसाद, एवं अन्य कई किसान मौजूद रहे।

विद्योत्तमा फाउंडेशन की लखनऊ इकाई की गोष्ठी संस्था की मीडिया सचिव सुश्री आर्यावर्ती सरोज जी के आवास पर सम्पन्न हुई

लखनऊ – इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुबोध मिश्रा नासिक से पधारे थे इनकी अध्यक्षता में गोष्ठी सम्पन्न हुई ।गोष्ठी का प्रारम्भ दीप प्रज्ज्वलन और माँ सरस्वती को पुष्पार्पण से हुई ।वाणी वंदना डा अर्चना प्रकाश ने की। गोष्ठी में उपस्थित पुराने सदस्यों एवं कुछ नये अतिथियों ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई और कविताओं की उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ दीं।उपस्थित अतिथि थे –महा सचिव सुश्री विनीता मिश्रा,संगठन सचिव डा करुणा पांडे, सर्व सुश्री रेणु द्विवेदी , कविता काव्य सखी , निवेदिता श्रीवास्तव निवी, अलका अस्थाना , अर्चना प्रकाश , सर्व श्री योगेश सिंह , मनीष शुक्ला , विनोद द्विवेदी ,सुबोध मिश्रा आदि उपस्थित रहे और अपनी प्रस्तुत दीं।कार्यक्रम का संचालन संस्था की अध्यक्ष अलका प्रमोद ने किया ।आर्यावर्ती सरोज आर्या का आतिथ्य आत्मीय, स्नेहिल और भव्य था ।

सायन में उपशिक्षणाधिकारी अशोक मिश्रा का सम्मान

मुंबई। सायन पूर्व स्थित जोगलेकरवाड़ी मनपा शाला सभागृह में आज उपशिक्षणाधिकारी अशोक मिश्रा की सेवानिवृत्ति पर मनपा स्कूलों के पूर्व अधीक्षक रामचंद्र पाण्डेय, एफ.एन.वार्ड के प्रशासकीय अधिकारी किसन बाजीराव पावडे, विभाग निरीक्षक जगदीश एन. गायकवाड , शिक्षक सेना के महासचिव हनुमंत देसाई, कनिष्ठ पर्यवेक्षक मधुकर माली, पूर्व विभाग निरीक्षक श्रीमती पाटिल, साहित्यिक राम अवतार यादव,समाजसेवी शिक्षाविद् चंद्रवीर बंशीधार यादव, डॉ.अमर बहादुर यादव, शिक्षक सेना के उप कार्याध्यक्ष उपेंद्र राय, आलोक कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षा क्षेत्र के वरिष्ठ जनों ने सत्कार किया है।

भाईन्दर (महाराष्ट्र) निवासी कवि छगनलाल मुथा-सान्डेराव,रश्मिरथी साहित्य सम्मान से हुएं विभूषित

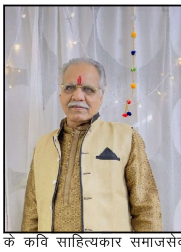

साहित्य संगम संस्थान, महाराष्ट्र इकाई के द्वारा दिनांक 29 जनवरी 2023 को साहित्य सेवा में निरंतर सक्रिय रहने वाले इकाई के साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।इकाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजवीर सिंह मंत्र, राष्ट्रीय सह अध्यक्ष नंदिता मांजी शर्मा और प्रमाणन अधिकारी प्रीति देवी हैं। ईस इकाई द्वारा भाईंदर (महाराष्ट्र) के कवि साहित्यकार समाजसेवी और ओस्ट्रेलीया एडिलेड सीनियर ग्रुप के एडमिन श्री छगनलाल मुथा–सांडेराव को साहित्य के क्षेत्र में निरंतर हिंदी के उत्थान और विकास के लिए अपनी भावनाओं और रचनाओं के लिए रश्मिरथी साहित्य सम्मान से विभूषित किया गया है।

डाक्टर महिमा सिंह जी को मिला हिंद शिरोमणि सम्मान

जयपुर।डॉक्टर महिमा सिंह को जयपुर राजस्थान की गुलाबी नगरी जयपुर में हिंन्द शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया यह उनकी 20 वर्षों की साहित्य सेवा हिंदी के प्रति उनके प्रेम एवं लगन का परिणाम है। जिसे देखकर ही उनको सम्मानित करने का विचार भाव्या फाउंडेशन की संस्थापक निशा माथुर जी एवं उनके विशिष्ट पैनल के मन में आया। भव्या फाउंडेशन बहुत बड़े स्तर पर दुनिया भर के साहित्यकारों को खोज कर कुछ विशेष लोगों को चुनती है ।डाक्टर महिमा सिंह जी का भी नाम आया इसके लिए महिमा जी ने कहा कि वह निशा जी की हृदय से आभारी हैं और उनकी पूरी टीम का भी हृदय से धन्यवाद करती हैं। जिन्होंने जयपुर की धरती पर बहुत ही भव्य आयोजन किया ।बहुत ही शानदार बेहतरीन कार्यक्रम कुछ कार्यक्रम तो ऐसे थे जिन्हें देखकर आंखें भर आई और हम सोचने को मजबूर हो गए कि हमें ईश्वर के द्वारा बहुत कुछ मिला है। इस कार्यक्रम में लगभग देश–विदेश के हर कोने से साहित्यकार जुटे थे सभी ने दूसरे से जान पहचान की और सभी सम्मान पाकर आनंदित थे।
आभारी हूं निशा जी का एवं उनके विशिष्ट सम्मानित पैनल का जिन्होंने मेरी कलम को पहचाना और मुझे इतना बड़ा सम्मान दिया यह मेरे लिए बहुत ही हर्ष और प्रसन्नता की बात है। विदित हो कि डॉक्टर महिमा सिंह हिंदी साहित्य प्रचार के लिए निरंतर प्रयत्नशील है और अनेकों प्रेरणादायक कार्य कर रही हैं। उनको सम्मानित किए जाने पर उनके परिजन और स्नेही जन भी आनंदित हैं।

आज में जीये और आजीवन स्वस्थ रहे

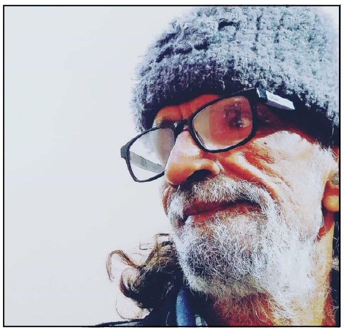

मेरा सोच में आज में जीवन को जीना चाहिए कल के बारे में कभी नहीं सोचना नहीं वैसे भी कल कभी नहीं होता है जिसे हम कल कहते है वो आज होगा ही तो कल कुछ होता ही नहीं ये तो हमने अपने आलसी होने के कारण या काम को टालने के लिए कल शब्द का निर्माण किया है

में जिस आदिवासी पिछड़े अन्चल में रहता हूँ वहाँ के आदिवासी आज में जाते है रोज श्रम करते रोज खाना खाते है कल के बारे में कभी नहीं सोचते है यही वहज है कि ये लंबी उम्र जीते हैं वह भी बिना किसी रोग के

जब इंसान व्यस्त रहने लगेगा तो उसके पास व्यर्थ की चिंता का समय ही नहीं रहेगा वह सदा ही व्यस्त और काम में मस्त रहेगा जिससे कोई भी रोग का सवाल ही नहीं उठता बर्ड पेसर शुगर, पेट की खराबी से उपजे सैकड़ो रोग उससे बहुत बहुत ही दूर होते है वह इतना काम करता है कि खाना यूँ ही पच जाता हैं फिर काम करने से नींद भी बहुत बहुत ही गहरी होती हैंजब अच्छी नींद और खाना पच रहा है तो बीमारी यहाँ क्या करे यह बात में इसलिए कर रहा हूँ कि में सालों से आज में जीता हूँ जितना भी हो सकता हैं सभी काम करता हूँ तब तक नहीं सोता जब तक नींद गहरी नहीं आती

और उतना ही खाता हूँ जितना काम किया कभी भी जीवन में आवश्यकता से अधिक न खाया नहीं व्यर्थ पकवानों का कोई शोक रहा सदा खाना खाता है दाल चावल और रोटी

जो काम से थक जाने के बाद लगती जोर की भूख में बेहद सुखद और अच्छी लगती हैं

जब हम आज में जीयेंगे तो हमारें पास काम भी बहुत होंगे प्रतिदिन और जितना श्रम होगा उतना शरीर सक्रिय हो गतिमान रहेगा गतिमान शरीर में

रोग के लिए कोई भी जगह नहीं होती हैं

यह एक सत्य है जो में खुद सालो महसूस कर रहा हूँ फिर रोज के काम रोज करने से हर रोज नया काम करने का अवसर मिलता है जितना नया करेगे रोज आपकी प्रगति भी होगी

उपलब्धि भी मिलेगी और फिर व्यर्थ की जलन , इर्श्या किसी से नहीं होगी

जो हम आलसी होने से कुछ भी नही करने के बावजूद खूब चाहते है हमें

भी वो सब मिले जो उसे मिल रहा है

पर ये कभी नहीं सोचते है कि उसे क्यों मिल रहा है ईश्वर उस पर क्यो मेहरबान है क्योकि वह खूब काम मेहनत करता है और ईश्वर भी सदा ही कर्मशील व्यक्ति के साथ सदा ही होता है

मां कैला देवी की महिमा है अपरंपार : डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन।प्रेम गली–वनखंडी स्थित मां अन्नपूर्णा मन्दिर से भक्तों व श्रृद्धालुओं की धार्मिक यात्रा करौली स्थित मां कैला देवी के दर्शन हेतु मन्दिर के सेवायत व प्रमुख समाजसेवी पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ के नेतृत्व गई।वहां पर इस धार्मिक यात्रा में गए 500 से भी अधिक भक्तों व श्रृद्धालुओं ने मां के दर्शन कर उन्हें भव्य पोशाक अर्पित की।साथ ही उन्हें 56 भोग निवेदित किए।इसके अलावा रात्रि जागरण में उनकी महिमा से ओतप्रोत भजनों का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया गया।अगली सुबह देवी मां के अभिषेक व पूजन–अर्चन के बाद कन्याओं व लागुं राओं को भोजन कराकर उन्हें उपहार वितरित किए गए।

प्रमुख समाजसेवी पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि मां कैला देवी की महिमा अपरंपार है।उनके दर्शन करने वाले के सभी मनोरथ निश्चित ही पूर्ण होते हैं।इसीलिए यहां प्रतिदिन समूचे देश से दर्शनार्थियों का तांता लगा रहता है।

सर्वोदय ब्राह्मण विकास संस्थान,मथुरा के अध्यक्ष पंडित सोहन लाल शर्मा (कातिब) व प्रमुख समाजसेवी श्रीगोपाल वशिष्ठ ने कहा कि मां कैला देवी की शक्तिपीठ समूचे देश की गिनी–चुनी शक्तिपीठों में प्रमुख शक्तिपीठ है।अत्यंत चमत्कारिक व शीघ्र कृपा करने वाली हैं।जो व्यक्ति इनकी शरण में आ जाता है,उनकी वे सभी समस्याओं का हरण कर लेती हैं।इस अवसर पर जयपुर के पुलिस अधीक्षक पंकज चौधरी, आशीष गोस्वामी, आचार्य रामविलास चतुर्वेदी, डॉ. राधाकांत शर्मा, देवेश वशिष्ठ, गिरधारीलाल चतुर्वेदी, बिहारीकांत तिवारी,आचार्य राकेश, आलोक बंसल, डॉ. विनोद शर्मा, अशोक शर्मा, बृजेन्द्र किशोर गोस्वामी, गोपी गोस्वामी, बालकृष्ण गोस्वामी आदि की उपस्थिति विशेष रही।

धर्म-अध्यात्म व समाजसेवा के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान के लिए सम्मानित हुए डॉ. मनोज मोहन शास्त्री

वृन्दावन।गांधी मार्ग स्थित श्रीनाथ धाम में धर्म, अध्यात्म व समाजसेवा के क्षेत्र में कार्य कर रही देश की कई प्रतिष्ठित संस्थाओं ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भागवत प्रवक्ता बाल व्यास डॉ. मनोजमोहन शास्त्री (पुराणाचार्य) का उनके द्वारा दी गई अविस्मरणीय सेवाओं के लिए सम्मान व अभिनंदन किया गया।जिसमें विभिन्न स्थानों से आए विशिष्ठ व्यक्तियों ने उन्हें सम्मानित कर प्रभु से उनके उज्जवल भविष्य व दीर्घ जीवन की मंगल कामना की।

ब्रज साहित्य सेवा मंडल के अध्यक्ष डॉ. गोपाल चतुर्वेदी व प्रख्यात अध्यात्मविद रसिया बाबा ने कहा कि डॉ. मनोज मोहन शास्त्री की देश,समाज व अध्यात्म जगत के लिए अनेकों देनें हैं।उनका व्यतित्व व कृतित्व नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा व ऊर्जा का श्रोत है।क्योंकि वे प्रत्येक क्षण धर्म, अध्यात्म व समाजसेवा के क्षेत्र में पूरे उत्साह व समर्पण के साथ तत्पर रहते हैं।

इस अवसर पर ब्राह्मण महासभा के संरक्षक पंडित सुरेशचंद्र शर्मा,अध्यक्ष पंडित महेश भारद्वाज, श्रीकृष्ण कीर्ति फाउंडेशन की अध्यक्ष भागवत विदुषी कीर्ति किशोरी, सचिव पंडित सतेंद्र जोशी, ब्रज जन सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. राधाकांत शर्मा, हनुमत आराधान मंडल के अध्यक्ष अशोक व्यास, पंडित शशिकांत भंडारी, पंडित बिहारीलाल शास्त्री,पंडित योगेश द्विवेदी, रासाचार्य स्वामी रामशरण शर्मा, श्रीमती मीरा शास्त्री, पद्मनाभ शास्त्री आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति विशेष रही।

जीवन में उत्साह का प्रतीक वसन्त ऋतू

वैदिक साहित्य से लेकर उपनिषद वेद पुराण, महाभारत,रामायण सहित कालिदास साहित्य और हिंदी साहित्य के इतिहास पर जब हम दृष्टि डालते हैं तो हम यह पाते हैं कि इन सभी कालों के कवियों ने ऋतुओं पर एक से बढ़कर एक सुंदर साहित्य सृजन किया है।पर वसन्त ऋतु के सौंदय पर जो वर्णन हुआ है,वह कहीं और अन्यत्र देखने को नही मिलता।विशेष करके कामदेव की ऋतुराज वसन्त पर जो लेखनी चली है वह साहित्य के इतिहास की अनमोल धरोहर मानी जाती है।जिसने हिंदी को ही उपकृत नही किया बल्कि इसे पुष्पित, पल्लवित और सुरभित भी किया है।

इस ऋतु में प्रकृति सोलह सृंगार से युक्त पलास, महुए, आम की सौरभता मदमस्त कराती नजर आती है–

फागुन के फाग की मस्ती और रंगीली वातावरण को उत्साह से भर देती है।इस वसन्त का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि इस दिन विद्या दायिनी माँ सरस्वती का जन्म हुआ था।जिसकी आराधना उपासना की जाती है–तभी निराला ने यह कहा–

ष्वर दे वीणा वादिनी वर दे,
प्रिय–स्वतंत्र–नव–अमृत–मंत्र–नव,
भारत मे भर दे।।ष

अब दृष्टि डालते हैं महाभारत काल मे जहाँ पर स्वयं श्री कृष्ण कहते हैं–ष

षायन करने योग्य श्रुतियों में मैं बृहत्साम और छन्दों में गायत्री छन्द हूँ तथा महीनों में मार्गशीर्ष और ऋतुओं में वसन्त मैं ही हूँ।ष

इसी प्रकार संस्कृत रामायण में वाल्मीकि ने कहा है–ष

ष्अयं वसन्तरू सौ मित्रे नाना
विहग नन्दिता।ष

कालिदास ने श्ऋतु संहारश में बसंत के आगमन का अद्भुत और सजीव वर्णन किया है–

द्रुमा सपुष्पा सलिलं
सपदमंस्त्रीयरू पवनरू सुगंधिरू।

इसी प्रकार बसंत ऋतु का अत्यंत सुंदर वर्णन–

नव पलाश पलाशवनं पुरः
स्फुट पराग परागत पंवानम्।
मृदुलावांत लतांत मलोकयत्
स सुरभि–सुरभि सुमनोमरै।

आदिकालीन रास–परम्परा में वीसलदेव रासो ने सुंदर प्रणय की गाथा गाई है–

ष्चलऊ सखि!आणो पेयणा जाई,
आज दी सई
सु काल्हे नहीं।
पिउ सो कहेउ संदेसड़ा,
हे
भौंरा, हे काग।
ते धनि विरहै जरि मुई,
तेहिक धुंआ हम्ह
लाग।ष

एक विरहिणी अपने प्रिय को याद करते हुए कहती है कि–ष हे प्रिये तुम कहाँ गए वसन्त ऋतु आ गई है,तुमसे संयोग नही हुआ,और ग्रीष्म ऋतु आ जायेगी।

इसी प्रकार भक्तिकाल के कवि तुलसी ने भी वसन्त का सजीव चित्रण किया है जिसमे उन्होंने वसन्त को ऋतुपति कहा है–

ष्सब ऋतु ऋतुपति प्रभाऊ,
सतत बहै
त्रिविध बाऊं।
जनु बिहार वाटिका,
नृप
पंच बान की।

जायसी ने भी बसंत ऋतु का वर्णन मानवीय उल्लास और विलास के रूप में किया है–

ष्फल फूलन्ह सब डार ओढ़ाई।
झुंड बंधि
कै पंचम गाई।

लक्षण बताते हैं कौन सा ग्रह है आपसे नाराज,

ग्रह अच्च्छे या बुरे प्रभाव कुंडली में अपने स्ध्थान के अनुसार देते हैं। यदि जीवन में कुछ परेशानियां हैं और उसका ज्ध्योतिषीय समाधान चाहते हैं तो ये जानना बहुत जरूरी है कि आपकी परेशानी किस ग्रह के कारण है। जिससे उस ग्रह को प्रसन्ध्न करने के उपाय कर सकें। आइए जानते हैं ग्रह और उसके अशुभ प्रभावों के बारे मेंरू

सूर्य के अशुभ प्रभाव

अहंकार इतना अधिक होना कि स्ध्वयं का नुकसान करते जाना, पिता के घर से अलग होना, कानूनी विवादों में फंसना और संपति विवाद होना, पत्ध्नी से दूरी, अपने से बड़ों से विवाद, दांत, बाल, आंख व हृदय रोग होना। सरकार की ओर से नोटिस मिलना व सरकारी नौकरी में परेशानी आना भी सूर्य के दुष्ध्प्रभाव हैं।

चंद्र के अशुभ प्रभाव

घर–परिवार के सुख और शांति की कमी,मानसिक रोगों का होना, बिना कारण ही भय व घबराहट की स्थिति बनी रहना, माता से दूरियां, सर्दी–जुखाम रहना, छाती सम्बंधित रोगों का बना रहना और कार्य तथा धन में अस्थिरता रहना।

मंगल के अशुभ प्रभाव

अत्ध्यधिक क्रोध व चिड़चिड़पन मंगल के अशुभ प्रभावों में से एक है। भाइयों से मनमुटाव और आपसी विरोध मंगल के कारण ही होता है। रक्ध्त में विकार होना और शरीर में खून की कमी मंगल के कमजोर होने की निशानी है। जमीन को लेकर तनाव व झगड़ा, आग में जलना और चोट लगते रहना, छोटी–छोटी दुर्घटनाओं का होता रहना मंगल के अशुभ प्रभावों के कारण ही होता है।बुध के अशुभ प्रभाव

बोलने–सुनने में परेशानी, बुद्धि का कम इस्ध्तेमाल, आत्ध्मविश्ध्वास की कमी, नपुंसकता, व्ध्यापार में हानि, माता का विरोध और शिक्षा में बाधाएं बुध के अशुभ प्रभाव के कारण होता है। बुध यदि अशुभ हो अच्च्छे मित्र भी नहीं मिलते।गुरु के अशुभ प्रभाव

जिनका सम्ध्मान करना चाहिए उनसे ही अनबन हो, समाज के सामने बदनामी हो और मान–सम्ध्मान न हो तो समझ लीजिए गुरू आपसे नाराज है। बड़े अधिकारियों से विवाद हो। धार्मिक ढोंग के साथ अधर्म के काम करना, अनैतिक कार्य करना, पाखंड से धान कमाना, स्त्रियों से अनैतिक संबंध बनाना, संतान दोष, मोटापा और सूजन गुरू के अशुभ प्रभाव हैं।

शुक्र के अशुभ प्रभाव

शुक्र यदि अशुभ प्रभाव दे तो यौन सुख को कम करता है। गुप्ध्त रोग, विवाह में रूकावट, प्रेम में असफलता, हृदय का अत्ध्यधिध्क चंचल हो जाना, प्रेम में धोखे की प्रवृतिशुक्र में अशुभ होने के लक्षण हैं।शनि के अशुभ प्रभाव

अशुभ शनि जातक को झगडालू, आलसी, दरिद्र, अधिक निद्रा वाला, वैराग्य से युक्तबनाता है। यह पांव में या नसों से रोग देता है। स्ध्टोन की समस्ध्या शनि के अशुभ होने पर ही होती है। लोगों से उपेक्षा, विवाह में समस्ध्या और नपुंसकता शनि के ही अशुभ प्रभाव हैं।

राहु के अशुभ प्रभाव

नशा व मांस–मदिरा का लती, गलत कार्यों को करने का शौक, शेयर मार्केट से हानि होना, घर–गृहस्ध्थी से दूर होकर अनैतिक कार्यो में जुड़ना, अपराधों में संलिप्ध्त होना और फोड़े–फुंसी जैसे घृणित रोगों का होना राहु के अशुभ प्रभाव है।

केतु के अशुभ प्रभाव

इसके अशुभ प्रभाव राहू और मंगल का मिलाजुला रूप होता है। अत्यधिक क्रोधी, शरीर में अधिक अम्लता होना जिस कारण पेट में जलन का रहना, चेहरे पर दाग धब्बे का होना केतु के अशुभ प्रभाव हैं। केतु जब रूष्ध्ट हो तो व्ध्यक्ति किसी न किसी प्रकार के ऑपरेशन से गुजरता है।

इश्क-ए-वतन और अनुभूति पर भव्य काव्य लेखन - अनुराग्यम

इस नववर्ष के तीसरे और चौथे सप्ताह में अनुराग्यम नई दिल्ली के मुख्य मंच के पर द्विव साप्ताहिक काव्य लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मंच पर संस्था संस्थापक श्री सचिन चतुर्वेदी नई दिल्ली, सहित समस्त ष अनुराग्यम ष परिवार उपस्थित था। इस प्रतियोगिता का संचालन समूह प्रभारी मीनू बाला एवं संचालिका सुशी सक्सेना के द्वारा अनुराग्यम पटल पर किया गया था। इस द्विव साप्ताहिक प्रतियोगिता में प्रदत्त विषय अनुभूति और इश्क–ए–वतन पर लगातार दो सप्ताह तक काव्य लेखन कार्य किया गया। इस आयोजन में देश विदेश के कई श्रेष्ठ रचनाकारों ने जोर शोर से भाग लिया और प्रदत्त विषय अनुभूति में अपने अनुभवों को साझा किया और इश्क–ए–वतन के माध्यम से देशप्रेम से ओतप्रोत रचनाओं से पटल को सुशोभित किया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों में से अनुराग्यम की प्रमुख अन्वेषक डॉ तरुणा माथुर द्वारा चुने गए अनूभूति विषय के पांच सर्वश्रेष्ठ रचनाकारों में कमला मूलानी, ठाणे, महाराष्ट्र, रेनू जैसवाल, कटिहार, बिहार, नंदिता माजी शर्मा, मुंबई, महाराष्ट्र, किरन मिश्रा, प्रीति चतुर्वेदी, नई दिल्ली से रहे और इश्क–ए–वतन विषय के सर्वश्रेष्ठ पांच विजेताओं में नेहा जैन अजीज, ललितपुर, उत्तर प्रदेश, पुनीत श्रीवास्तव, इंदौर, मध्यप्रदेश, निकिता शर्मा, वडोदरा, गुजरात, समीर द्विवेदी नितांत, कन्नौज, उत्तर प्रदेश, अल्का मिश्रा, पटना, बिहार से थे। जिन्हें अनुराग्यम की ओर से सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन के अंत में संस्थापक श्री सचिन चतुर्वेदी जी ने सभी कलमकारों को धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त किया और आयोजन का समापन किया।

सोनू हेल्पिंग हैंड द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर

सोनू हेल्पिंग हैंड ट्रस्ट एवम शिवम हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में प्रताप नगर में निशुल्क सर्व रोग निवारण चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया,,,, ट्रस्ट अध्यक्षा सुनीता छाबड़ा ने मीडिया को बताया कि इस निशुल्क चिकित्सा कैंप में विभिन्न रोगों के अलग अलग डॉक्टर्स की टीम ने अपनी सेवाए देकर लोगो के बीमारी की जांच और दवाइया दी,,,जिसमे आस पास के बहुत बुजर्ग महिलाओ और बच्चो को इसका लाभ मिला,, शिवम हॉस्पिटल की समस्त टीम ने इस शिविर में अपना बहुत बड़ा योगदान दिया ,, इस शिविर में डॉक्टर. शाहिद पठान, ललिता ,दयाराम, अजय सिंह चौहान, रवि शंकर शर्मा वीरेंद्र वैष्णव, बंटी मीणा, सुनील, कुशाल बेनीवाल सामाजिक कार्यकर्ता,मानव सेवा संस्थान अध्यक्ष सुरेश जी,ट्रस्ट उपाध्यक्षा ममता सैनी, कृष्णा महावर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे,,,।

प्राचार्य प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे को जिला प्रशासन का प्रशस्ति पत्र

मंडला––भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश व उच्च शिक्षा विभाग सहित जिला प्रशासन के आदेश पर शासकीय कन्या स्नातक महाविद्यालय में कॉलेज–प्राचार्य प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे के मार्गदर्शन में डॉ.अंजली पंड्या के संयोजन में नव प्रवेशित छात्राओं के मतदाता परिचय पत्र(वोटर कार्ड) बनवाने का व्यापक अभियान चलाया गया, और इसमें कॉलेज–प्रशासन को शत्–प्रतिशत् सफलता प्राप्त हुई। इस विशिष्ट उपलब्धि के उपलक्ष्य में प्राचार्य प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे को जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर विशेष प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित व प्रशंसित किया गया।

प्राचार्य प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे ने इस हेतु जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया, तथा कहा कि ष्मतदाता जागरुकता के अंतर्गत हर पात्र व्यक्ति को अपना नाम निर्वाचक नामावली में न केवल दर्ज कराना चाहिए,बल्कि पूर्ण निष्पक्षता,जागरुकता के साथ बिना किसी भय ,प्रलोभन में आये विवेकपूर्ण मतदान करना चाहिए। लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए यह अपरिहार्य है।

वीर विनायक दामोदर सावरकर

गणेश, विनायक और नारायण, एक ही माँ के जायी,
पिता दामोदर सावरकर से, क्रान्ति की शिक्षा पायी।
राष्ट्र हितों में इतिहास रचा, सबसे आगे रहते,
अट्ठारह सौ तिरासी में जन्मे, विनायक मंझले भाई।
हरि चापेकर क्रांतिकारी ने, जब फाँसी फन्दा चूमा,
तेरह वर्षीय विनायक ने तब, बदले की कसमें खायी।
सावरकर ने अंग्रेजों से, स्वतंत्रता की माँग उठाकर
विदेशी वस्त्रों की होली, प्रथम उसने ही जलवाई।
दामोदर से घबरा अंग्रेजों ने, विद्यालय से हटवाया,
पढने का ले लिया संकल्प, फिर बैरिस्टर डिग्री पायी।
श्क्रान्तिकारी आन्दोलनश से, ब्रिटिश शासन घबराया,
श्इंडिया हाऊसश को सावरकर ने, तीर्थ पहचान दिलाई।
तेईस वर्ष की अवस्था तक, पंद्रह सौ ग्रंथ पढ डाले,
अण्डमान के पत्थरों पर भी, क्रान्ति अलख जगाई।
अखण्ड भारत का पक्षधर था, विनायक सावरकर,
जिसकी रग रग में भारत और आजादी जिसकी माई,
कोल्हू में पेला जिसको, दो जन्मों का कारावास मिला,
तिरासी वर्ष की आयु में, प्रभु चरणों में जगह बनाई।

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले

के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर,
विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो
चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

अमेरिकी उप रक्षा मंत्री ने भारत के साथ साझेदारी को बताया सर्वोच्च प्राथमिकता

हिंद–प्रशांत क्षेत्र के बढ़ते रणनीतिक माहौल और चीन के आक्रामक व्यवहार के बीच पेंटागन ने कहा है कि अमेरिका की उप रक्षा मंत्री डॉ. कैथलीन हिक्स ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से कहा कि गठजोड़ और साझेदारी बनाना उनके विभाग की श्सर्वोच्च प्राथमिकताश है।पेंटागन ने मंगलवार को कहा कि हिक्स ने वाशिंगटन में डोभाल के साथ बैठक के दौरान यह बात कही और अमेरिका–भारत द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। इसने कहा है कि चर्चा में हिंद–प्रशांत क्षेत्र में नीति और परिचालन समन्वय को मजबूत करना और दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाना भी शामिल था।भारतीय दूतावास ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, उन्होंने अमेरिका–भारत रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों सहित कई विषयों पर चर्चा की। वहीं हिक्स ने ट्वीट कर कहा, ष्मैंने आज भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की ताकि अमेरिका–भारत रक्षा साझेदारी की प्राथमिकताओं पर चर्चा की जा सके, भारत–प्रशांत क्षेत्र में नेतृत्व के लिए भारत को धन्यवाद दिया जा सके और रक्षा औद्योगिक सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की जा सके।पेंटागन के प्रवक्ता एरिक पाहोन ने बैठक के बारे में बताया कि हिक्स ने दोहराया कि गठबंधन और साझेदारी बनाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह अमेरिकी राष्ट्रीय रक्षा रणनीति के कार्यान्वयन का अभिन्न हिस्सा है। अमेरिका की राष्ट्रीय रक्षा रणनीति 2022 चीन को एक बढ़ती हुए मल्टी–डोमेन खतरा बताती है। अमेरिका ने कई एशियाई देशों के साथ एकजुटता का संकेत दिया है, जिनमें से कई का चीन की आक्रामकता के साथ संघर्ष है। चीन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अपनी ताकत बढ़ा रहा है।चीन लगभग पूरे विवादित दक्षिण चीन सागर, ताइवान, फिलीपींस, ब्रूनेई, मलेशिया और वियतनाम सभी इसके कुछ हिस्सों पर अपना दावा करता है।बीजिंग ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप (आर्टिफिशियल आइसलैंड) और सैन्य प्रतिष्ठान (मिलिट्री बेस) बनाए हैं। पूर्वी चीन सागर में भी चीन का जापान के साथ क्षेत्रीय विवाद है। दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर को खनिज, तेल और अन्य प्राकृतिक संसाध ानों में समृद्ध बताया जाता है। दोनों वैश्विक व्यापार के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।पाहोन ने कहा कि बैठक के दौरान हिक्स ने क्षेत्र में भारत के नेतृत्व के लिए डोभाल को ध ान्यवाद दिया और क्षेत्र के बढ़ते विवादित रणनीतिक माहौल से निपटने के लिए अमेरिका और भारतीय सेनाओं के बीच समन्वय को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका और भारतीय कंपनियों के बीच अभिनव संयुक्त प्रयासों के माध्यम से द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा की, जो भारत की अद्वितीय परिचालन आवश्यकताओं का समर्थन करते हैं।बैठक के ब्यौरे के अनुसार, हिक्स और डोभाल ने कहा कि वे अमेरिका–भारत रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रगति करने के लिए उत्सुक हैं। अमेरिका और भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड के भी सदस्य हैं। हिंद–प्रशांत में चीन के बढ़ते प्रभाव और क्षेत्रीय दावों का मुकाबला करने के प्रयासों के तहत हाल के वर्षों में यह समूह अधिक सक्रिय हो गया है।हिंद–प्रशांत क्षेत्र के बढ़ते रणनीतिक माहौल और चीन के आक्रामक व्यवहार के बीच पेंटागन ने कहा है कि अमेरिका की उप रक्षा मंत्री डॉ. कैथलीन हिक्स ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से कहा कि गठजोड़ और साझेदारी बनाना उनके विभाग की श्सर्वोच्च प्राथमिकताश है।पेंटागन ने मंगलवार को कहा कि हिक्स ने वाशिंगटन में डोभाल के साथ बैठक के दौरान यह बात कही और अमेरिका–भारत द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। इसने कहा है कि चर्चा में हिंद–प्रशांत क्षेत्र में नीति और परिचालन समन्वय को मजबूत करना और दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाना भी शामिल था।भारतीय दूतावास ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, उन्होंने अमेरिका–भारत रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों सहित कई विषयों पर चर्चा की। वहीं हिक्स ने ट्वीट कर कहा, ष्मैंने आज भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की ताकि अमेरिका–भारत रक्षा साझेदारी की प्राथमिकताओं पर चर्चा की जा सके, भारत–प्रशांत क्षेत्र में नेतृत्व के लिए भारत को धन्यवाद दिया जा सके और रक्षा औद्योगिक सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की जा सके।पेंटागन के प्रवक्ता एरिक पाहोन ने बैठक के बारे में बताया कि हिक्स ने दोहराया कि गठबंधन और साझेदारी बनाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह अमेरिकी राष्ट्रीय रक्षा रणनीति के कार्यान्वयन का अभिन्न हिस्सा है। अमेरिका की राष्ट्रीय रक्षा रणनीति 2022 चीन को एक बढ़ती हुए मल्टी–डोमेन खतरा बताती है। अमेरिका ने कई एशियाई देशों के साथ एकजुटता का संकेत दिया है, जिनमें से कई का चीन की आक्रामकता के साथ संघर्ष है। चीन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अपनी ताकत बढ़ा रहा है।चीन लगभग पूरे विवादित दक्षिण चीन सागर, ताइवान, फिलीपींस, ब्रूनेई, मलेशिया और वियतनाम सभी इसके कुछ हिस्सों पर अपना दावा करता है।बीजिंग ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप (आर्टिफिशियल आइसलैंड) और सैन्य प्रतिष्ठान (मिलिट्री बेस) बनाए हैं। पूर्वी चीन सागर में भी चीन का जापान के साथ क्षेत्रीय विवाद है। दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर को खनिज, तेल और अन्य प्राकृतिक संसाध ानों में समृद्ध बताया जाता है। दोनों वैश्विक व्यापार के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।पाहोन ने कहा कि बैठक के दौरान हिक्स ने क्षेत्र में भारत के नेतृत्व के लिए डोभाल को ध ान्यवाद दिया और क्षेत्र के बढ़ते विवादित रणनीतिक माहौल से निपटने के लिए अमेरिका और भारतीय सेनाओं के बीच समन्वय को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका और भारतीय कंपनियों के बीच अभिनव संयुक्त प्रयासों के माध्यम से द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा की, जो भारत की अद्वितीय परिचालन आवश्यकताओं का समर्थन करते हैं।बैठक के ब्यौरे के अनुसार, हिक्स और डोभाल ने कहा कि वे अमेरिका–भारत रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रगति करने के लिए उत्सुक हैं। अमेरिका और भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड के भी सदस्य हैं। हिंद–प्रशांत में चीन के बढ़ते प्रभाव और क्षेत्रीय दावों का मुकाबला करने के प्रयासों के तहत हाल के वर्षों में यह समूह अधिक सक्रिय हो गया है।हिंद–प्रशांत क्षेत्र के बढ़ते रणनीतिक माहौल और चीन के आक्रामक व्यवहार के बीच पेंटागन ने कहा है कि अमेरिका की उप रक्षा मंत्री डॉ. कैथलीन हिक्स ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से कहा कि गठजोड़ और साझेदारी बनाना उनके विभाग की श्सर्वोच्च प्राथमिकताश है।पेंटागन ने मंगलवार को कहा कि हिक्स ने वाशिंगटन में डोभाल के साथ बैठक के दौरान यह बात कही और अमेरिका–भारत द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। इसने कहा है कि चर्चा में हिंद–प्रशांत क्षेत्र में नीति और परिचालन समन्वय को मजबूत करना और दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाना भी शामिल था।भारतीय दूतावास ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, उन्होंने अमेरिका–भारत रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों सहित कई विषयों पर चर्चा की। वहीं हिक्स ने ट्वीट कर कहा, ष्मैंने आज भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की ताकि अमेरिका–भारत रक्षा साझेदारी की प्राथमिकताओं पर चर्चा की जा सके, भारत–प्रशांत क्षेत्र में नेतृत्व के लिए भारत को धन्यवाद दिया जा सके और रक्षा औद्योगिक सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की जा सके।पेंटागन के प्रवक्ता एरिक पाहोन ने बैठक के बारे में बताया कि हिक्स ने दोहराया कि गठबंधन और साझेदारी बनाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह अमेरिकी राष्ट्रीय रक्षा रणनीति के कार्यान्वयन का अभिन्न हिस्सा है। अमेरिका की राष्ट्रीय रक्षा रणनीति 2022 चीन को एक बढ़ती हुए मल्टी–डोमेन खतरा बताती है। अमेरिका ने कई एशियाई देशों के साथ एकजुटता का संकेत दिया है, जिनमें से कई का चीन की आक्रामकता के साथ संघर्ष है। चीन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अपनी ताकत बढ़ा रहा है।चीन लगभग पूरे विवादित दक्षिण चीन सागर, ताइवान, फिलीपींस, ब्रूनेई, मलेशिया और वियतनाम सभी इसके कुछ हिस्सों पर अपना दावा करता है।बीजिंग ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप (आर्टिफिशियल आइसलैंड) और सैन्य प्रतिष्ठान (मिलिट्री बेस) बनाए हैं। पूर्वी चीन सागर में भी चीन का जापान के साथ क्षेत्रीय विवाद है। दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर को खनिज, तेल और अन्य प्राकृतिक संसाध ानों में समृद्ध बताया जाता है। दोनों वैश्विक व्यापार के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।पाहोन ने कहा कि बैठक के दौरान हिक्स ने क्षेत्र में भारत के नेतृत्व के लिए डोभाल को ध ान्यवाद दिया और क्षेत्र के बढ़ते विवादित रणनीतिक माहौल से निपटने के लिए अमेरिका और भारतीय सेनाओं के बीच समन्वय को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका और भारतीय कंपनियों के बीच अभिनव संयुक्त प्रयासों के माध्यम से द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा की, जो भारत की अद्वितीय परिचालन आवश्यकताओं का समर्थन करते हैं।बैठक के ब्यौरे के अनुसार, हिक्स और डोभाल ने कहा कि वे अमेरिका–भारत रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रगति करने के लिए उत्सुक हैं। अमेरिका और भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड के भी सदस्य हैं। हिंद–प्रशांत में चीन के बढ़ते प्रभाव और क्षेत्रीय दावों का मुकाबला करने के प्रयासों के तहत हाल के वर्षों में यह समूह अधिक सक्रिय हो गया है।हिंद–प्रशांत क्षेत्र के बढ़ते रणनीतिक माहौल और चीन के आक्रामक व्यवहार के बीच पेंटागन ने कहा है कि अमेरिका की उप रक्षा मंत्री डॉ. कैथलीन हिक्स ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से कहा कि गठजोड़ और साझेदारी बनाना उनके विभाग की श्सर्वोच्च प्राथमिकताश है।

MEDIA NEWS
हम बनेंगे आपकी आवाज
झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक
आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे कार्य करने हेतु लोगो की आवश्यकता है
संपर्कः- 277/129 चकिया जगमल का हाता
जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016
उत्तर प्रदेश
9918366626 , 9140343290

वित्तमंत्री से अर्थव्यवस्था को गतिशील करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और निवेश के लिए प्रोत्साहन की उम्मीदें

चूंकि इस बार आर्थिक मुश्किलें कम हैं, इसलिए उम्मीद है कि वित्तमंत्री अर्थव्यवस्था को गतिशील करने तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने वाला बजट पेश करेंगी।वैश्विक सुस्ती की चुनौतियों तथा आगामी लोकसभा चुनाव से पहले का आखिरी पूर्ण बजट होने के कारण वित्तमंत्री से ऐसे बजट की उम्मीद है, जिससे राजकोषीय तस्वीर न बिगड़े और कल्याणकारी योजनाओं के बढ़ने का परिदृश्य भी दिखाई दे। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार सरकारी खजाने की स्थिति संतोषप्रद है। पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क में कटौती करने और विनिवेश लक्ष्य के उम्मीद से कम होने के बावजूद राजकोषीय घाटे के मोर्चे पर स्थिति काबू में है, कच्चे तेल के दाम ऊंचे स्तरों से नीचे आने से करों में और कमी की आशंका है, ऋण आवंटन की दर मजबूत है, अर्थव्यवस्था रिकवरी के रास्ते पर है तथा कर संग्रह में वृद्धि भी देखी गई है। बजट से रोजगार वृद्धि, कृषि व किसान हितों, बुनियादी ढांचे की मजबूती, उद्योग–कारोबार की गतिशीलता, रोजगार के नए अवसर, महंगाई पर नियंत्रण, नई मांग का निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं और डिजिटल शिक्षा पर खर्च बढ़ाने के अलावा छोटे करदाताओं, मध्यवर्ग, महिला, युवा वर्ग और वरिष्ठ नागरिकों की उम्मीदें पूरी करने के साथ बेहतर विकास दर की भी उम्मीदें हैं। बजट में ऐसे प्रावधानों की संभावनाएं हैं, जिनसे निर्यात और विदेशी निवेश में वृद्धि, उपभोक्ता मांग में तेजी, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में बड़ा सुधार, शेयर बाजार में तेजी, बेहतर राजकोषीय नतीजे तथा जीएसटी संग्रह में उछाल आएगा। वित्तमंत्री बजट में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए बड़े एलान कर सकती हैं, आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत प्रोडक्शन लिंक्ड स्किम (पीएलआई) योजना को गतिशील करने के लिए आवंटन बढ़ाए जा सकते हैं और ज्यादा निर्यात करने वाले जिलों को सड़क, रेल और हवाई मार्ग से जोड़ने के प्रावधान हो सकते हैं। वित्तमंत्री बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत व्यय बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों, गांवों में अधिक रोजगारमूलक खर्च, खपत और नौकरियों के सृजन को बढ़ावा देने के मद्देनजर अब तक के रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय की रणनीति पर आगे बढ़ सकती हैं। कृषि विकास दर व छोटे किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि सुधारों को व्यापक प्रोत्साहन, खाद्य व उर्वरक सब्सिडी की उपलब्धता, बीजों की गुणवत्ता, कृषि तकनीक, कृषि में निजी निवेश, प्राकृतिक खेती, मांग आधारित खेती, खाद्य प्रसंस्कृत क्षेत्र के तेज विकास, एग्री फ्रूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मनरेगा पर अधिक आवंटन व ग्रामीण उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन के एलान हो सकते हैं। वित्तमंत्री श्रम, भूमि, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों में घोषित किए गए सुधारों के लिए कार्यान्वयन की डगर पर आगे बढ़ सकती हैं। एमएसएमई को पटरी पर लाकर रोजगार बढ़ाने, खुदरा कारोबार की सरलता, स्टार्टअप को प्रोत्साहन, डिजिटलीकरण के बुनियादी ढांचे और प्राथमिक सहकारी समितियों की मजबूती के लिए अधिक प्रोत्साहन नए बजट में अपेक्षित हैं। सरकार आवास योजनाओं को आगे बढ़ाने के प्रभावी प्रावधान कर सकती है। आतिथ्य, पर्यटन और अन्य संपर्क वाली सेवाओं को समर्थन देने के साथ रक्षा बजट में बड़ा इजाफा किया जा सकता है। इस बार मध्यवर्ग को टैक्स छूटों में वृद्धि की अपेक्षा है। आयकर के नए प्रारूप वाले टैक्स स्लैब का पुनः निर्धारण और जो आयकर के पुराने स्लैब को अपनाए हुए हैं, उनके लिए विभिन्न टैक्स छूटों में वृद्धि जरूरी दिखाई दे रही है। वित्तमंत्री के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न वर्गों की अपेक्षाएं पूरी करने, विकास दर बढ़ाने के लिए अधिक खर्च करने और राजकोषीय घाटा कम करने की जरूरत के बीच सामंजस्य बनाने की होगी। सरकार ने वित्त वर्ष 2026 तक राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.5 प्रतिशत तक सीमित करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए आगामी बजट में राजकोषीय घाटा करीब छह प्रतिशत रखना होगा। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। उम्मीद है कि वित्तमंत्री अर्थव्यवस्था को गतिशील करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने, निवेश के लिए प्रोत्साहन देने तथा विभिन्न वर्गों को राहत देने के लिए आर्थिक प्रोत्साहनों से भरपूर बजट पेश करेंगी।

दर्द ना कोई मुझसे पूछो

कट कर गिरा जमीन परस
धीरे मेरे अरमानों के पर
सबसे ऊंचा कहलाने की
रही थी मेरी आशा
पर एक दिन ऐसा भी आया
सभी अपने बिछड़ गए
मेरे सीने पर रख आरी
काटा गया सबको बारी बारी
मुझे जड़ से काटा गया
मेरी टहनियों को छांटा गया
मैं गिरता रहा तड़पता रहा
पर किसी को दया ना आई
ना मुझ पर, ना छोटे–छोटे
चिड़ियों के बच्चों पर
मेरी शाखाओं पर
घोंसला बनाते
सोते जागते मधुर मधुर गान सुनाते
वह भी आज गिरे जमीन पर
उनके भी सपने चकनाचूर हुए
जिसे छूने को थी नीले नभ
ना रक्त बहा ना कराहे सुनी
ना ही किसी को मुझ पर दया आई
कोई आरी लेकर काट रहा था
कोई कुल्हाड़ी लेकर काट रहा था
कई कई टुकड़े करके
अपनों के बीच बांट रहा था
सड़क चौड़ीकरण का
कार्य जो चल रहा था
मुझे काटकर मेरी शाखाओं को
छाट छाट कर, बांधा गया।
मुझे ट्रकों में भरकर
कहीं दूर ले जाया गया
पर मेरी इस दशा पर,
ना कोई आंसू बहाने वाला था।
एक बुढ़ी मां को मेरा दर्द ,
देख मेरा दर्द उनसे रहना गया।
उनकी आंखों से आंसू टपक पड़ा
मेरी जन्म से लेकर अब तक
इस अवस्था में मुझे पाकर कर
शायद मां की ममता छलक पड़ी
आंखों से आंसू बनकर ढलक पड़ी

पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत पशुपालक ले सकते है 3 लाख रुपए तक का ऋण : शांतनु शर्मा

कुरुक्षेत्र 31 जनवरी रू उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसानों को गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सूअर, मुर्गी के रखरखाव के लिए 3 लाख रुपए तक का ऋण देने का प्रावधान है ताकि पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। छोटे किसानों को पशुपालन व अन्य स्रोतों से से होने वाली आय को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की जा रही है। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बातचीत करते हुए कहा कि पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान अपने पशुओं की देखभाल के लिए होने वाले खर्च हेतु पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण प्राप्त कर सकता है। कोई भी पशुपालक 1 लाख 60 हजार रुपए तक की राशि की लिमिट तक का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बिना कोई जमीन गिरवी रखे व बिना किसी गारंटी के कोलैटरल सुरक्षा बनवा सकता है। यदि कोई पशुपालक इस राशि से अधिक लिमिट का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना चाहता है तो उसे अपनी जमीन या कोई जमानत देना अनिवार्य होगा। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को सालाना 7 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर बैंक द्वारा ऋण दिया जायेगा। यदि कार्डधारक अपने ऋण का समय पर भुगतान करता है तो उसे केंद्र सरकार की तरफ से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जायेगा तथा उस पशुपालक को यह ऋण केवल 4 प्रतिशत के हिसाब से चुकाना होगा।उन्होंने कहा कि 7 प्रतिशत ब्याज दर के हिसाब से अधिकतम 3 लाख रुपये तक की ऋण राशि पर केंद्र सरकार की ओर से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जायेगा। कार्डधारक द्वारा ऋण की राशि जरूरत के अनुसार समय–समय पर ली जा सकती है और सुविधा अनुसार जमा करवाई जा सकती है। कार्ड धारक को ऋण राशि निकलवाने या खर्च करने के एक साल की अवधि के अन्दर किसी भी एक दिन लिये गये ऋण की पूरी राशि को जमा करवाना अनिवार्य ताकि साल में एक बार ऋण की मात्रा शून्य हो जाए। यदि किसी पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक द्वारा लिया गया ऋण एक साल की समय अवधि के दौरान वापिस जमा नहीं करवाया जाता है, तो उसे 12 प्रतिशत सालाना ब्याज की दर से ऋण का भुगतान करना होगा। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को बाजार में प्रचलित अन्य किसी भी साधारण क्रेडिट, डेबिट कार्ड की भांति किसी भी एटीएम मशीन से राशि निकलवाने या बाजार से खरीदारी करने हेतु प्रमाणित लिमिट अनुसार प्रयोग कर सकता है।उन्होंने कहा कि पशुओं की भिन्न–भिन्न श्रेणियों और वैज्ञानिक पैमाने की अवधि के अनुसार ही पशुपालक को पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड द्वारा ऋण दिया जाएगा। इच्छुक पशुपालक अपने नजदीकी राजकीय पशु चिकित्सालय या बैंक में जाकर पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए पशुपालन को अपने सभी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, पशु का बीमा, पशु का हेल्थ सर्टिफिकेट आदि आवेदन पत्र सहित बैंक में जमा करवाना होगा।

आओ अपनी कौशलता को पहचानकर निखारें

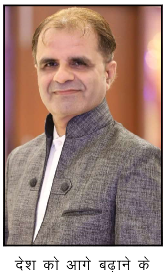

देश को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षण संस्थानों, शिक्षकों को कौशलता धारक मानव संसाधनों को तैयार करने की भावना को आत्मसत करना होगा

पढ़ाई का मतलब केवल नौकरी करना एक विकार – हमें नौकरी करना नहीं, देने की भावना को आत्मसत करना होगा – एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया – भारत में आदि–अनादि काल से ही मानवीय बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खज़ाना रहा है या यूं कहें कि भारत की मिट्टी में ही ऐसी अद्भुत शक्ति समाई हुई है कि वह प्राकृतिक रूप से ही हर मानवीय जीवन में बौद्धिक क्षमता का प्रचुर डोज पैदा होने के समय से ही उसके मस्तिष्क में लगा देती है, परंतु हम मानवीय जीव अपने इस कौशलता रूपी डोज को नहीं पहचान पाते या विलंबित धारा में पहचान केवल महसूस करते हैं। एक भारतीय में गजब का टैलेंट, कॉन्फिडेंस और बौद्धिक क्षमता की विविधता होती है वह शायद ही वैश्विक स्तरपर किसी अन्य देश के किसी नागरिक में होगी, यही कारण हैकि दुनिया में करीब–करीब हर देश में बड़ी तादाद में भारतीय अपनी बौद्धिक क्षमता के बल पर परचम लहरा रहे हैं!! जो हम टीवी चौनलों के माध्यम से पीएम के विदेश दौरों में अप्रवासी भारतीयों का हुजूम उमड़ा हुआ देखते हैं कि कितना खुशहाल और अभूतपूर्व सौहार्द के माहौल में पीएम उन्हें संबोधित करते हैं और हमारी कॉलर टाइट होती है, हम गदगद होते हैं, कि यह भी अप्रवासी हिंदुस्तानी हैं।साथियों बात अगर हम विद्यया अमृतम् अश्नुते। की करें तो अमृतकाल में देश के अमृत संकल्पों को पूरा करने की बड़ी जिम्मेदारी हमारी शिक्षा व्यवस्था पर है, हमारी युवा पीढ़ी पर है। हमारे यहाँ उपनिषदों में भी कहा गया है– विद्यया अमृतम् अश्नुते। अर्थात, विद्या ही अमरत्व और अमृत तक लेकर जाती है। काशी को भी मोक्ष की नगरी इसीलिए कहते हैं क्योंकि हमारे यहाँ मुक्ति का एकमात्र मार्ग ज्ञान को, विद्या को ही माना गया है। साथियों बात अगर हम पुरानी सोच, पढ़ाई का मतलब नौकरी की करें तो पीएम ने एक कार्यक्रम में कहा, आप सभी जानते हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल आधार, शिक्षा को संकुचित सोच के दायरों से बाहर निकालना और उसे 21वीं सदी के आधुनिक विचारों से जोड़ना है। हमारे देश में मेधा की कभी कोई कमी नहीं रही है। लेकिन, दुर्भाग्य से हमारे यहाँ ऐसी व्यवस्था बना कर दी गई थी जिसमें पढ़ाई का मतलब केवल और केवल नौकरी ही माना जाने लगा था। शिक्षा में ये विकार गुलामी के कालखंड में अंग्रेजों ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए, अपने लिए एक सेवक वर्ग तैयार करने के लिए किया था। आजादी के बाद, इसमें थोड़ा बहुत बदलाव हुआ भी लेकिन बहुत सारा बदलाव रह गया। अब अंग्रेजों की बनाई व्यवस्था कभी भी भारत के मूल स्वभाव का हिस्सा नहीं थी और न हो सकती है। अगर हम हमारे देश के पुराने कालखंड की तरफ नजर करें। हमारे यहाँ शिक्षा में अलग–अलग कलाओं की धारणा थी। साथियों बात अगर हम देश को आगे बढ़ाने के लिए कौशलता धारक मानव संसाधनों की करें तो पीआईबी के अनुसार माननीय पीएम ने एक कार्यक्रम के संबोधन में कहा, शिक्षा में यही विविधता हमारी शिक्षा व्यवस्था का भी प्रेरणास्रोत होनी चाहिए। हम केवल डिग्री धारक युवा तैयार न करें, बल्कि देश को आगे बढ़ने के लिए जितने भी मानव संसाधनों की जरूरत हो, हमारी शिक्षा व्यवस्था वो देश को उपलब्ध करायें, देश को दे। इस संकल्प का नेतृत्व हमारे शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों को करना है। हमारे शिक्षक जितनी तेजी से इस भावना को आत्मसात करेंगे, छात्र–छात्राओं को देश के युवाओं को उतना ही ज्यादा, देश के आने वाले भविष्य को भी उतना ही ज्यादा लाभ होगा। उन्होंने कहा जब देश का मिजाज ऐसा हो, जब देश की रफ्तार ऐसी हो तो हमें अपने युवाओं को भी खुली उड़ान के लिए नई ऊर्जा से भरना होगा। अभी तक स्कूल, कॉलेज और किताबें ये तय करते आये थे कि बच्चों को किस दिशा में जाना है। लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बाद अब युवाओं पर दायित्व और बढ़ गया है। और इसके साथ ही हमारी भी ये जिम्मेदारी बढ़ गई है कि हम युवाओं के सपनों और उड़ान को निरंतर प्रोत्साहित करें, उसके मन को समझें, उसकी आकांक्षाओं को समझें, तभी तो खाद पानी डाल पाएंगे। उसे समझे बिना कुछ भी थोपने वाला युग चला गया है दोस्तों। हमें इस बात का हमेशा ध्यान रखना होगा, हमें वैसा ही शिक्षण, वैसी ही संस्थानों की व्यवस्थाएं, वैसा ही मानव संसाधन विकास का हमारा मिजाज, अपने आपको सज्ज करना ही होगा। नई नीति में पूरा फोकस बच्चों की प्रतिभा और चॉइस के हिसाब से उन्हें स्किल्ड बनाने पर है। हमारे युवा स्किल्ड हों, कॉन्फिडेंट हों, प्रैक्टिकल हों, कैलकुलेटिव हो, शिक्षा नीति इसके लिए जमीन तैयार कर रही है। मुझे पूरा विश्वास है, आने वाले समय में भारत दुनिया में वैश्विक शिक्षा का एक बड़ा केंद्र बनकर उभर सकता है। भारत न केवल दुनिया के युवाओं के लिए एजुकेशन डेस्टिनेशन बन सकता है, बल्कि दुनिया के देशों में भी हमारे युवाओं के लिए नए अवसर बन सकते हैं। इसके लिए हमें अपने एजुकेशन सिस्टम को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स पर तैयार करना होगा। इस दिशा में देश लगातार प्रयास भी कर रहा है। हायर एजुकेशन को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स के हिसाब से तैयार करने के लिए नए दिशा निर्देश जारी किये गए हैं। करीब 180 उच्च शिक्षा संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के लिए विशेष कार्यालय की स्थापना भी की गयी है। मैं चाहूँगा कि आप सभी इसी दिशा में न केवल जरूरी विमर्श करें, बल्कि भारत के बाहर की व्यवस्थाओं से भी परिचित होने का प्रयास करें। ये नई व्यवस्था, भारत की शिक्षा व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय अनुभवों से भी जोड़ने में मदद करेंगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ अपनी कौशलता को पहचान कर निखारें। देश को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा संस्थानों,शिक्षकों को कौशलता धारक मानव संसाधनों को तैयार करने की भावना को आत्मसत करना होगा। पढ़ाई का मतलब केवल नौकरी करना एक विकार हैं, हमें नौकरी करना नहीं देने की भावना को आत्मसत करना होगा।

क्या एकल परिवारों से हमने संयुक्त परिवार ,रिश्ते खत्म कर दिए हैं ?

इस विषय पर बात करने से पहले मैं आपको ले चलती हूँ अपने बचपन में ,जहाँ एक बहुत बड़े से घर में ,घर भी क्या भूल भुलैया था। कमरों में कमरा ,कहीं कच्चा ,कहीं पक्का ,बीच में आंगन,पीछे बड़ा सा बाड़ा, बाड़े में कुआं और वहां बंधती थी गायेंऔर भैंसें।वहाँ हम खेलते थे। हम मतलब सब मिलाकर चौदह भाई –बहन । हमारे अलावा बड़ी दादी ,छोटी दादी ,दादा जी ,ताऊजी ,ताई जी ,तीन काका–काकी ,मम्मी –बाबूजी भी थे।कभी नहीं लगा कि घर छोटा है या खाना कम है या खूब लड़ाई–झगड़ा हो रहा है। हम सब मिलकर काम करते थे ,मिलकर खेलते थे ,मिलकर पढ़ाई करते थे और बाहर जाना हो तो सब एक साथ जाते थे।घर में शादी हो तो मजा आ जाता था क्योंकि घर के ही पचास लोग हो जाते थे और बुआ और उनके बच्चे आ जाते तो रौनक ही लग जाती थी।बहनें शादी हो कर गई तो भाभी आ गई। पर घर परिवार न टूटे। धीरे–धीरे विज्ञान का युग और भौतिकवाद का जमाना आया।पैसे कमाने के लिए बेटा परिवार से दूर गया।उसके साथ उसकी पत्नी भी गई और इस तरह धीरे–धीरे एकल परिवार बनते चले गए । दो मनुष्य की सोच अक्सर एक जैसी नहीं होती। जहाँ सोच अलग, वहाँ मतभेद भी होते हैं ,रुठना भी होता है। पर मैंने देखा है कि कभी मम्मी बात खत्म कर देती तो कभी काकी।भाभी रुठी तो ननद ने समझा दिया और बात खत्म। संयुक्त परिवार में प्रेम बना रहता था।एक साथ रहने के कारण बहुत सारे गुण धीरे–धीरे पनप जाते थे। जैसे क्षमा,दया, त्याग,सहनशीलता,सहानुभूति,प्यार,धैर्य,उपकार, भलाई आदि आदि।एक साथ खाने से प्रेम बढ़ता था।मिलकर प्रार्थना और पूजा करते थे तो मन में धर्म के प्रति आस्था बनी रहती थी। अब तो हम दो हमारे दो या हम दो हमारा एक बस।यहीं नहीं, कहीं कहीं तो पति पत्नी एक भी नहीं चाहते।उनके आजादी में खलल डालेगा बच्चा। आजकल के बच्चे, क्या जाने अब दादी,ताई, मामू, चाचू,भाई,बहन क्या होते हैं। राखी बांधने को भाई नहीं है या भाई है तो बांधने वाली बहन नहीं ।कैसे ये रिश्ते हैं ? कैसा यह प्यार है ?कहाँ है प्यार ? बच्चे मासूमियत से पूछते हैं –चाची क्या होती है? ताई किसको कहते हैं ? तो जवाब नहीं आता। जब सब मिल बैठकर ठहाका लगाते हैं या मस्ती करते हैं तो लोग ही नहीं, दीवारें और छत भी हंसते हैं।घर–घर लगता है ।आजकल के एकल परिवारों में सन्नाटा पसरा रहता है।सब अपने–अपने कमरों में अकेले ही व्यस्त रहते हैं ।रही सही कसर इंटरनेट ने पूरी कर दी है ।

कोरोना काल में एकल परिवारों की फजीहत देखी है हमने।जब माता–पिता को कोरोना हुआ तो छोटा बेटा या बेटी इधर–उधर भटकती रही, कोई संभालने वाला नहीं ।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक संजय कुमार यादव
RNI No.: UPHIN/2015/63182
दूरभाष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजीकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा